Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 340 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, सोमवार 15 जून 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

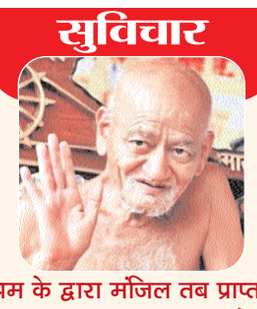

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पीएम मोदी पहुंचे फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों से होगी मुलाकात 'भारत इनोवेट्स 2026' का करेंगे उद्घाटन

पेरिस। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के नीस शहर पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से रविवार को खास मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इसके साथ ही फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर 'भारत इनोवेट्स 2026' का उद्घाटन करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस दौरे से खास क्षेत्रों में भारत-फ्रांस के बीच सहयोग को और मजबूत करने का मौका मिलेगा। भारत और फ्रांस साल 2026 को 'ईयर ऑफ इनोवेशन' के तौर पर मनाएंगे। इस वजह से, इनोवेशन के क्षेत्र में खास फोकस होगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 'भारत इनोवेट्स' इवेंट भारत के इनोवेशन इकोसिस्टम को दिखाएगा और स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स को अपने कटिंग-एज सॉल्यूशन और प्रोडक्ट्स पेश करने के लिए एक प्लेटफॉर्म देगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा कर लिखा, नीस पहुंच गया। नीस के अलावा, इस फ्रांस दौरे में एवियन और पेरिस में कार्यक्रम शामिल हैं। द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एंगेजमेंट होंगे, जिनका मकसद मुख्य विकास साझेदारों के साथ भारत की दोस्ती को बेहतर बनाना होगा। मैं कल (रविवार को) राष्ट्रपति मैक्रों से मिलने और 'भारत इनोवेट्स' में शामिल होने का इंतजार कर रहा हूं। विदेश यात्रा पर रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने बताया कि वह 13 से 18 जून तक राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बुलावे पर स्लोवाकिया का दौरा करेंगे। इस साल फरवरी में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों भारत दौरे पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने एआई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

पीएम मोदी का ऐतिहासिक स्वागत, बोले- यह स्नेह और सम्मान हमेशा याद रहेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्रांस पहुंचते ही भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय की तरफसे मिले इस सम्मान को यादगार बताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, नीस में भारतीय समुदाय की ओर से एक यादगार स्वागत। भले ही वे घर से कई किलोमीटर दूर हैं, लेकिन भारत के साथ हमारे समुदाय का संबंध पहले की तरह ही मजबूत है। फ्रांस पहुंचते ही प्रधानमंत्री ने कहा, नीस पहुंच गया। नीस के अलावा, इस फ्रांस दौरे में एवियन और पेरिस में कार्यक्रम शामिल हैं। द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातचीत होगी, जिनका मकसद मुख्य विकास साझेदारों के साथ भारत की दोस्ती को बेहतर बनाना होगा। मैं रविवार को राष्ट्रपति मैक्रों से मिलने और 'भारत इनोवेट्स' में शामिल होने का इंतजार कर रहा हूं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस दौरे से खास क्षेत्रों में भारत-फ्रांस के बीच सहयोग को मजबूत करने का मौका मिलेगा। भारत और फ्रांस साल 2026 को 'ईयर ऑफ इनोवेशन' के तौर पर मनाएंगे। इस वजह से इनोवेशन के क्षेत्र में खास फोकस होगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 'भारत इनोवेट्स' इवेंट भारत के इनोवेशन इकोसिस्टम को दिखाएगा और स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स को अपने कटिंग-एज सॉल्यूशन और प्रोडक्ट्स पेश करने के लिए एक प्लेटफॉर्म देगा। पीएम मोदी फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

पीएम मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को फ्रांस के नीस शहर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। राष्ट्रपति मैक्रों के साथ फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरोट और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।'भारत इनोवेट्स' तीन दिन का एक कार्यक्रम है, जो भारतीय डीप-टेक स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स, रिसर्चर्स और इन्वेस्टर्स को ग्लोबल इनोवेशन फंड्स और पहुंच के साथ एक मंच पर लाता है। यह ग्लोबल स्तर पर भारत की बेहतरीन डीप टेक्नोलॉजी को प्रदर्शित करता है, जिसमें 120 परिवर्तनकारी स्टार्टअप्स और 20 से अधिक बेहतरीन संस्थान शामिल हैं, जो ग्लोबल महत्व के 13 अहम टेक्नोलॉजी क्षेत्रों से जुड़े हैं। इस कार्यक्रम में दुनिया भर के 350 से अधिक बड़े इन्वेस्टर्स और वेंचर कैपिटलिस्ट भी हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों की मौजूदगी के लिए उनका धन्यवाद किया ।

रक्तदान सबसे बड़ा दान, इससे बड़ी कोई सेवा नहीं : राज्यपाल रमेन डेका

विश्व रक्तदाता दिवस पर राज्यपाल ने रक्तदाताओं का किया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है दूसरे के जीवन की रक्षा करना और यह अपने ही रक्त के एक बूंद से हो सके तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। रक्त का दान सबसे बड़ा दान होता है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज प्रदेश के स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करते हुए उक्त बातें कहीं।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए लोकभवन में समारोह आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के अध्यक्ष राज्यपाल श्री डेका ने सर्वाधिक रक्तदान करने वाले प्रदेश के 30 स्वैच्छिक रक्तदाताओं सहित विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लोकभवन में रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य लोगों ने उत्सव पूर्वक रक्तदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल स्वस्थ व्यक्ति के स्वैच्छिक दान से ही उपलब्ध हो सकता है। राज्यपाल ने कहा कि थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में जो सेवा भाव है वह दूसरी जगह देखने को नहीं मिलती। रक्तदाताओं ने वर्षो से नि:स्वार्थ भाव से रक्तदान कर अनेक लोगों को नया जीवन दिया है। ऐसे रक्तदाता समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण है। राज्यपाल ने रेडक्रॉस ब्लड बैंक और उसकी टीम के कार्यो की भी सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था वर्षो से जरूरत मंदों तक जीवनदायी रक्त पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन श्री तोमन साहू ने स्वागत उदबोधन दिया तथा छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. रूपल पुरोहित ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस स्मारिका का विमोचन किया गया।

कॉकरोच जनता पार्टी का बेंगलुरु में बारिश के बीच प्रदर्शन

एक्टर प्रकाश राज शामिल हुए, हैदराबाद में वांगचुक की स्पीच

बेंगलुरु। कॉकरोच जनता पार्टी ने रविवार को बेंगलुरु में प्रदर्शन किया। इस दौरान अभिनेता प्रकाश राज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उनके हाथ में एक फूल था। बारिश के बीच बड़ी संख्या में लोग पोस्टर और छाते लेकर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने हृश्वश्वञ्ज पेपर लीक और ष्टक्चस्श्व की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले हैदराबाद के धरना चौक पर भी प्रदर्शन हुआ था, जहां सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों को संबोधित किया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक पिछले 9 दिनों में देश के 6 शहरों में विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इस अभियान की शुरुआत 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर से हुई थी। इसके बाद 11 जून को पुणे, 12 जून को लखनऊ, 13 जून को अमृतसर और अब 15 जून को बेंगलुरु और हैदराबाद में प्रदर्शन किया गया।हैदराबाद में ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा, यह शिक्षा मंत्री बनने या कोई पार्टी बनाने का आंदोलन नहीं है। यह देश में युवाओं के साथ हो रही गलतियों को सुधारने का आंदोलन है। यह एक जागरण है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप कुएं में गिरने से 8 से ज्यादा लोगों की मौत

पंढरपुर के रंजनी गांव के लोग एक धार्मिक यात्रा पर निकले थे

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मालशिरस इलाके में म्हा इलाके में म्हासवाडङ्कपंढरपुर मार्ग पर तांडुवाड़ी गांव के पास एक पिकअप वाहन के कुएं में गिर जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, पंढरपुर के रंजनी गांव के लोग एक धार्मिक यात्रा पर निकले थे। बताया जा रहा है कि ये सभी श्रद्धालु म्हसवाड में दर्शन कर लौट रहे थे। लौटते वक्त ही यह हादसा हो गया। रास्ते में एक मोड़ पर वाहन अचानक अनियंत्रित हुआ और सड़क किनारे बने खुले कुएं में जा गिरा। कुआं पानी से भरा हुआ था और सबसे बड़ी समस्या यह रही कि उसके आसपास कोई सुरक्षा घेरा या रेलिंग नहीं लगी थी। नतीजा यह हुआ कि भारी पिकअप वाहन सीधे पानी में समा गया। इसमें अब तक 14 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्थानीय लोगों ने बताया कि वाहन में क्षमता से ज्यादा लोग सवार थे। इसी वजह से संतुलन बिगड़ गई होगी। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक हादसे के असली कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण तुरंत वहां पहुंचे और बचाव कार्य शुरू करने की कोशिश की, लेकिन कुआं गहरा और पानी से भरा होने के कारण राहत कार्य में काफी दिक्कतें आईं। कुछ ही देर में पुलिस और प्रशासनिक टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। अब तक की जानकारी के अनुसार इस हादसे में कुल 14 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। इनमें से 8 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें 4 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। बाकी लोगों की तलाश और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बताया जा रहा है कि दो लोग इस हादसे में किसी तरह बच गए हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके घरों में चीख-पुकार मची हुई है।

छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रिकॉर्ड हुआ। इस बदलते मौसम के बीच कोरबा के लेमरू इलाके में शुक्रवार को आंधी-तूफान के दौरान पति-पत्नी पर पेड़ गिर गया था। हादसे में पति शिवरतन माझी (54) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है। दोनों अपनी लापता बकरी की तलाश में जंगल गए थे।वहीं कांकेर के अंतागढ़ में मनरेगा कार्य के दौरान पेड़ के नीचे खड़े ग्रामीणों पर बिजली गिर गई।

टीएमसी सांसदों के दोनों गुट लोकसभा स्पीकर से मिले

कोलकाता। दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस की बागी नेता काकोली घोष दस्तिदार, शताब्दी रॉय और उनके साथ अन्य नेता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आवास पर पहुंचे हैं। इससे पहले बागी गुट की केंद्रीय मंत्री और बंगाल में भाजपा के प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर बैठक भी हुई। उधर, ञ्जरूष्ट के सांसद कीर्ति आजाद और सागरिका घोष भी बिरला के आवास पर पहुंचे थे। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ और 10वीं अनुसूची के अनुच्छेद 4 के अनुसार पार्टी में अलग गुट या विभाजन का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी सिर्फ 20 सांसदों या 60 विधायकों से नहीं बनी। ममता बनर्जी ने ही इस पार्टी को खड़ा किया है, इसलिए वही असली पार्टी हैं।टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि सदन में ञ्जरूष्ट को केवल एक पार्टी के रूप में देखा जाए।

बंगाल में बागी सांसदों का बड़ा खेला

कोलकात। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी सांसदों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है और अब उन्होंने एक नए राजनीतिक रास्ते पर चलने का फैसला किया है। पार्टी के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजन पार्टी में विलय का निर्णय लिया है और साथ ही केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने का भी ऐलान किया है।रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात के बाद बागी सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने कहा कि टीएमसी से निर्वाचित 20 सांसदों ने अलग बैठने की मांग करते हुए औपचारिक पत्र सौंपा है। उनका दावा है कि यह संख्या लोकसभा में टीएमसी के कुल सांसदों की दो-तिहाई से अधिक है, इसलिए उनका विलय संवैधानिक रूप से वैध है। उन्होंने कहा कि सभी सांसद नेशनलिस्ट सिटिजन पार्टी में शामिल होने का फैसला कर चुके हैं और भविष्य में प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ मिलकर काम करेंगे। वरिष्ठ सांसद सुदीप बनर्जी ने भी विलय के फैसले की पुष्टि की।

भाजपा बस्तर संभाग व जिला कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की बस्तर संभागीय बैठक व जिला कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और आगामी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का संकल्प लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और प्रदेश के वन व सहकारिता मंत्री केदार कश्यप का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता और मजबूत बूथ नेटवर्क हैं। श्री देव ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएँ।

प्रदेश के वन व सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि सांगठनिक मजबूती के साथ-साथ विकास कार्यों और जनसेवा के संकल्प को हर घर तक ले जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री कश्यप ने विभाग और संगठन के समन्वय से कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारने पर जोर देते हुए कहा कि हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल में विकास और जनकल्याण के मोर्चों पर तेजी से काम करके अटूट जनविश्वास अर्जित किया है।भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विस्तृत चर्चा करते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी तय की और बूथ स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए एक ठोस रणनीति साझा की। बैठक को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाटिया, संभागीय सह प्रभारी हरपाल सिंह भामरा, भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने भी संबोधित किया।

कैसी प्रवृत्ति करना और कैसे निवृत्ति में जाना जिनको पता है वो निर्वाण से दूर नहीं : क्षुल्लक श्री ध्यानसागरजी महाराज

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में पूज्य क्षुल्लक श्री ध्यानसागरजी महाराज ने मंगल देशना में पंच परमेष्ठियों के दिव्य गुणों पर सविस्तार प्रकाश डाला। महाराज श्री ने शास्त्रों का प्रमाण देते हुए स्पष्ट किया कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र (रत्नत्रय) ही वह मूल गुण हैं, जो छोटे से छोटे मुनि से लेकर सिद्ध परमेष्ठी तक में विद्यमान रहते हैं। प्रवचन के दौरान मुनि श्री ने सम्यक ज्ञान की आराधना के आठ अंगों (शब्दाचार, अर्थाचार, कालाचार, विनयाचार आदि) को रेखांकित करते हुए कहा कि स्वाध्याय करते समय शुद्ध उच्चारण और सही संदर्भ में अर्थ ग्रहण करना अनिवार्य है। उन्होंने गुरुदेव आचार्य विद्यासागर महाराज द्वारा दिए गए 'प्रत्याहार' के प्रसंग का उदाहरण देकर समझाया कि इंद्रिय विषयों के उपस्थित होने पर भी मन को विचलित न होने देना ही सच्ची आत्म-साधना है।

महाराज श्री ने मुनियों द्वारा की जानेवाली प्रवृत्ति और निवृत्ति के बारे में बताते हुए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही: कैसी प्रवृत्ति करना और कैसे निवृत्ति में जाना जिनको पता है वो निर्वाण से दूर नहीं । महाराज श्री ने पंच परमेष्ठी के 40, 108 और 180 गुणों की अनूठी शास्त्रोक्त गणना बताते हुए कहा कि 40 वर्षों के गहन अध्ययन के बाद यह अद्भुत गणितीय क्रम घटित हुआ है। उन्होंने श्रावकों को प्रेरणा दी कि इन गुणों की आराधना के लिए विशेष तिथियों पर अनुष्ठान व व्रत किये जा सकते है।

नगरीय प्रशासन विभाग में बड़ा फेरबदल

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रविवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए प्रदेश के कई नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में पदस्थ 18 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। विभाग ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को 7 दिनों के भीतर नई पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, रायपुर नगर निगम के जोन आयुक्त अरुण कुमार ध्रुव को मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनाकर दंतेवाड़ा भेजा गया है। वहीं, दंतेवाड़ा में पदस्थ वी.के.एस. पलदास को नगर पंचायत भोपालपटनम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तबादला सूची में कवर्धा, धमधा, दीपका, गौरेला, चांपा, आरंग, कोंडागांव और दंतेवाड़ा समेत कई नगरीय निकाय शामिल हैं। रोहित कुमार साहू को कवर्धा से धमधा, राजेश गुप्ता को दीपका से गौरेला और सचिन गुप्ता को बेरला से कोंडागांव स्थानांतरित किया गया है। शीतल चंद्रवंशी को आरंग से चांपा भेजा गया है।

आदेश में अंबिकापुर, जामुल, धर्मजयगढ़, बड़ी करेली, बेरला, केशकाल और बलौदाबाजार में पदस्थ अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। कुछ अधिकारियों को उनके मूल पदों पर वापस भेजा गया है, जबकि कुछ को प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी की नई जिम्मेदारी दी गई है।

प्रोजेक्ट पुनर्जीवन अंतर्गत पेडो के चारों ओर लगाये गये ट्री गार्ड एवं कांक्रीट के घेरों को हटाने का कार्य जारी

पौधों को स्वतः विकसित होने पर्यावरण हितैषी वातावरण मिलने लगा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर रायपुर जिला प्रशासन की पर्यावरण हितकारी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की अभिनव योजना के अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिह के मार्गनिर्देशन में विगत दिनों हाल ही में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा पर्यावरण संरक्षण कार्य को लेकर व्यक्त की गई गहन चिता के तत्काल पश्चात रायपुर जिला क्षेत्र अतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में आयुक्त श्री संबित मिश्रा के मार्गनिर्देशन में सभी 10 जोन कमिश्नर सतत मॉनिटरिंग कर प्रतिदिन नियमित अपने- अपने जोन क्षेत्र के सभी वार्डो में ऐसे सभी पौधों को चिन्हित कर रहे हैं जो चारों ओर से ट्री गार्ड एवं कांक्रीट के घेरों में घिरे हुए होने के कारण प्राकृतिक रूप से विकसित नहीं हो पा रहे हैं । ऐसे समस्त पौधों को चिन्हित करके प्राकृतिक रूप से स्वतः विकसित होने एवं स्वयं मिट्टी, पानी प्राप्त करने पर्यावरण हितैषी वातावरण देने इन सभी पौधों को चारों ओर से घेरकर लगाये गये ट्री गार्ड और कांक्रीट के घेरों को हटाने का कार्य रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी 10 जोनों में निरन्तरता के साथ तेज गति से समाजहित में पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से प्रगति पर है। विभिन्न जोनो के क्षेत्रों में भिन्न स्थानों में इन सभी चिन्हित पौधों को समाज हित में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से चारों ओर घेरा करके लगाए गए ट्री गार्ड और कांकीट के घेरों को समस्त जोन कमिश्नरों ने वहां पहुंचकर हटवाये जाने का कार्य तेजी के साथ प्रारम्भ करवा दिया है एवं पौधो को स्वतः विकसित होने पानी प्राप्त कर सकने आवश्यक पर्यावरण हितेषी वातावरण कायम करवाने कार्य प्राथमिकता के साथ करवा रहे हैं।

नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने उक्त कार्य को पहली प्राथमिकता में रखकर करवाने सभी जोन कमिश्नरो समाजहित में पर्यावरण संरक्षण कार्य हेतु स्पष्ट निर्देशित किया है।

रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने राजधानी रायपुर शहर क्षेत्र के समस्त रहवासी नागरिको से रायपुर जिला प्रशासन की ओर से पुनः एक बार विनम्र अपील की है कि वे ऐसे सभी पौधों को आवश्यक पानी खाद आदि देकर विकसित करने में सहभागी बनकर अपनी सक्रिय सहभागिता को दर्ज करवाने का कष्ट करें। ऐसा करने वाले सभी पर्यावरण प्रेमी नगरवासियों को पर्यावरण मित्र के रूप में रायपुर जिला प्रशासन के तत्त्ववधान में पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन योजना के अंतर्गत समाज में उनके द्वारा पर्यावरण हितकारी योगदान देने हेतु सम्मानित किया जायेगा। सभी 10 जोन कमिश्नरों द्वारा करवाये जा रहे उक्त पर्यावरण हितकारी कार्यो की रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा स्वत प्रतिदिन नियमित मॉनिटरिंग और कार्य समीक्षा रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर की जा रही है।

मानसून की आहट, जलभराव की आशंकाः सुरेंद्र वर्मा

कचरों से पैक नालियां, जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे हैं

निचले इलाकों और अंडर पास ही नहीं मुख्य सड़कों पर भी चुनौती, आधे घंटे की बारिश में ही आधा शहर हो जाता है जलमग्न

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के शहरों में जलभराव और जल निकासी की समस्या के चिन्हित स्थलों पर सरकार से त्वरित कार्यवाही करने की मांग करते हैं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मानसून सीजन शुरू होने को है लेकिन अब तक नालियों और नालों की समुचित सफाई तक नहीं हो पाई है, मोवा, सड्डू नाला, भनपुरी, प्रोफेशर कॉलोनी, राजातालाब, न्यू शांति नगर गोरखा कॉलोनी सहित शहर के कई प्रमुख नाले अतिक्रमण के चपेट में आकर सिकुड़ गए हैं, ट्रिपल इंजन सरकार के संरक्षण में बिल्डर नालों को पाट कर अपनी सुविधा के लिए उपयोग कर रहे हैं। नगर निगम अमले के द्वारा कई इलाकों में नालों के पाटे तोड़कर मलमा वहीं रख दिया गया है, ऐसे में बारिश आने से ये मलमा वापस नालियों में भर जायेगा। राजधानी रायपुर के ज्यादातर हिस्सों की हालात यह है कि 10 मिनट की बारिश में ही कई निचले इलाकों, अंडरपास और मुख्य सड़कों पर चुनौती बन जाती है। घरों में पानी भर जाने से जीना मुश्किल हो जाता है, लेकिन इस सरकार के नगरीय प्रशासन और नगर निगम का रवैया शुतुरमुर्ग की तरह है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि शहर में जलभराव के मुख्य कारण सरकार और प्रशासन की अकर्मण्यता है। मुख्य नालों में अवैध कब्जा हो रहे हैं, जिसके चलते नालों की चौड़ाई घटते जा रही है, भू माफ्याओं और अवैध कब्जाधारियों को इस सरकार का संरक्षण है, बड़े बिल्डर बेखौफ होकर नाले नालियां पाट रहे हैं, नालियों और नालों की समुचित सफाई तक नहीं हो पा रही है, जिम्मेदार आँखे मूंदे बैठे हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकार नगरीय निकायों में सभी निचले इलाको में, जहाँ बारिश का पानी निकल नहीं पाता है, वहाँ पर तत्काल नालों का निरीक्षण कर सफाई और चौड़ीकरण सुनिश्चित करें, नगर निगम और प्रशासन मॉनसून से पहले प्रमुख नालों और नालियों की व्यापक स्तर पर सफाई और गाद निकालने का अभियान चलाए ताकि पानी की निकासी बाधित न हो। जलभराव से प्रभावित होने वाली कॉलोनियों और सड़कों की पहचान कर अतिरिक्त पंप और टीमें तैनात करे। आपदा की स्थिति में त्वरित बचाव कार्य और जल निकासी के लिए फुल-प्रूफ प्लान तैयार रखे। शिकायत दर्ज करने स्पेशल सेल का गठन किया जाए, ताकि समस्याओं के त्वरित समाधान हो सके।

हसदेव मे पेड़ काटने का कांग्रेस पुरजोर विरोध करेंगी : दीपक बैज

पेड़ो कटाई के खिलाफ पूरे प्रदेश मे बड़ा जनआंदोलन करेंगी कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा सरकार पर छत्तीसगढ़ को अडानीगढ़ बनाने पर तुली हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार के अडानी परस्त नीतियों से हसदेव अरण्य के घने जंगलों पर संकट उत्पन्न हो गया है। मोदी के मित्र अडानी के मुनाफे के लिए सरगुजा रेंज के केते एक्सटेंशन के खुदाई का गौतम अडानी को देने के लिए इस सरकार ने अनुमति दी है। अब रामगढ़ की पहाड़ियां, प्राचीन नाट्यशाला, सीता गुफ्त, जानकी रसोई, प्रभु श्री राम के वन गमन पथ की पुण्य स्मृतियों को अडानी के आर्थिक लाभ के लिए संकट में डाला जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केते एक्सटेंशन ओपन कास्ट कोल माइनिंग और पिट हेड कोल वॉशरी परियोजना के लिए 1742.60 हेक्टेयर वन भूमि को गैर-वन उपयोग में बदलने की सिफारिश कर दी है। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद यह प्रस्ताव अब केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के पास भेजा गया है। केंद्र से हरी झंडी मिलते ही 7 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई का रास्ता साफ हो जाएगा। यह वही इलाका है जिसे सेंट्रल इंडिया का ÷लंग्स ज़ोन÷ कहा जाता है।कांग्रेस हसदेव मे जंगल कटाई का विरोध करती हैं। शीघ्र ही कांग्रेस वन कटाई के विरोध मे बड़ा आंदोलन करेगी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि हसदेव अरण्य का यह क्षेत्र पांचवी अनुसूची का भाग है, जहां नए खदान स्थापित करने का लगातार विरोध स्थानीय आदिवासियों के द्वारा किया जा रहा है। यह सरकार आदिवासियों के अधिकारों को कुचल रही है। हरैया, फ्तेहपुर, साल्ही, हर्रई सहित कई गांवों के आदिवासी समुदाय लगातार आंदोलित हैं, अति महत्वपूर्ण जैव विविधता संपन्न क्षेत्र में खनन से जंगल, जल स्रोत और उनकी परंपरागत आजीविका पर गहरा असर होगा। हाथियों और अन्य वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट होगा और बड़े पैमाने पर पेड़ कटाई से पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ जाएगा, इस मुद्दे पर महीनों से आंदोलन चल रहा है, कई ग्राम सभाओं ने लेकिन इस सरकार में किसी की सुनवाई नहीं है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने हसदेव अर्न क्षेत्र में परसा कोल ब्लॉक सहित पांच कोल ब्लॉकों के आवंटन को निरस्त करने के लिए 2022 में विधानसभा में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा था, मोदी सरकार ने निरस्त नहीं किया, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की विष्णु देव सरकार की दुर्भावना से अब फ्रि से हसदेव अरण्य का सबसे समृद्ध और संवेदनशील वन बर्बाद किया

धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजना से जशपुर के विकास को मिलेगी नई गति : सीएम

केंद्र सरकार ने परियोजना को विशेष रेल परियोजना के रूप में किया अधिसूचित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को केंद्र सरकार द्वारा विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय जशपुर सहित पूरे उत्तर छत्तीसगढ़ के विकास के लिए ऐतिहासिक साबित होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से जशपुर के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। लंबे समय से रेल संपर्क की प्रतीक्षा कर रहे जशपुर जिले को इस परियोजना के माध्यम से पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे क्षेत्र की जनता को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, पर्यटन संभावनाओं और सांस्कृतिक वैभव से समृद्ध जशपुर इस रेल परियोजना के माध्यम से देश के प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक केंद्रों से बेहतर रूप से जुड़ सकेगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, व्यापार, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे तथा वनांचल क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के विकास को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। रेल, सड़क, ऊर्जा और अन्य आधारभूत अधोसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजना इसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना जशपुर और आसपास के क्षेत्रों की प्रगति, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला सिद्ध होगी।

रतनपुर पुलिस का शराब कोचियों पर प्रहार जारी

बिलासपुर। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रतनपुर पुलिस ने एक शराब कोचिये को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 लीटर कच्ची महुआ शराब और बिक्री की रकम बरामद की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह के निर्देश पर जिले में नशे के कारोबारियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मधुलिका सिंह तथा एसडीओपी कोटा नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रतनपुर विष्णु यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी।

जशपुर की बेटी तमन्ना परवीन बनी इंडिया यूनिवर्स 2026′ का ताज

जशपुर नगर। जिले की बेटी तमन्ना परवीन ने राष्ट्रीय स्तर की ब्यूटी पेजेंट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 'मिस टीन इंडिया यूनिवर्स 2026' का फर्स्ट विनर खिताब अपने नाम कर छत्तीसगढ़ और जशपुर जिले का गौरव बढ़ाया है। गोवा में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।दो दिनों तक चली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, प्रतिभा, व्यक्तित्व और मंच पर प्रस्तुति का अलग-अलग राउंड के माध्यम से मूल्यांकन किया गया। विजेता घोषित होने के बाद तमन्ना परवीन को ताज पहनाकर ट्रॉफी और सर्टिफिक्रेट देकर सम्मानित किया गया।

जशपुर, जो छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गृह जिला भी है, वहां तमन्ना की इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल है। उनकी सफ्लता ने जिले की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

कई राज्यों की प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा -: प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु सहित कई राज्यों की प्रतिभागियों ने भाग लिया। पहले दिन ग्रूमिंग और ओरिएंटेशन सेशन के बाद वेस्टर्न राउंड, रैंप वॉक, टैलेंट प्रेजेंटेशन, डांस परफॉर्मेंस, बॉलीवुड थीम अपीयरेंस और सवाल-जवाब राउंड आयोजित किए गए।

टैलेंट राउंड में प्रतिभागियों ने हॉलीवुड थीम पर रोल-प्ले एक्ट प्रस्तुत किए। वहीं इंटरव्यू राउंड में उनके कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन स्किल्स और स्टेज प्रेजेंस को परखा गया। दूसरे दिन फोटोशूट और अन्य गतिविधियों के बाद निर्णायकों ने प्रदर्शन के आधार पर विजेता का चयन किया।तमन्ना परवीन ने सभी राउंड में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 'मिस टीन इंडिया यूनिवर्स 2026' का खिताब हासिल किया।**दो साल में जीते दो बड़े खिताब :-** तमन्ना ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयासों से यह मुकाम हासिल किया है। इससे पहले उन्होंने रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ मिस दिवा 2025 का अवॉर्ड जीता था। इसके बाद वर्ष 2026 में आयोजित 'मिस टीन छत्तीसगढ़' प्रतियोगिता में भी वह टॉप विनर रही थीं।अब तमन्ना अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए थाईलैंड जाएंगी, जहां वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।तमन्ना ने अपनी सफ्लता का श्रेय निरंतर अभ्यास, अनुशासन और परिवार के सहयोग को दिया है। उन्होंने अपनी मां उर्मिला लकड़ा के सहयोग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया।

तमन्ना के पिता जहरुदीन जशपुर के करबला रोड निवासी हैं।

विधायक ने प्रदेश के प्रथम हाईटेक महतारी सदन, महिला योग भवन एवं जुंबा सेंटर के लोकार्पण समारोह में की सहभागिता

महिलाओं और बच्चों के सशक्त भविष्य की नींव बनेगा हाईटेक महतारी सदन : पुरंदर मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर उत्तर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित प्रदेश के प्रथम हाईटेक महतारी सदन (आंगनबाड़ी केन्द्र), महिला योग भवन एवं जुंबा सेंटर के लोकार्पण समारोह में सहभागिता कर इस महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल की सराहना की। कार्यक्रम का आयोजन रायपुर पश्चिम के विधायक श्री राजेश मूणत के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी, रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त ऐसे केंद्रों की स्थापना वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हाईटेक महतारी सदन केवल एक भवन नहीं, बल्कि मातृशक्ति के सम्मान, बाल विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और सामाजिक जागरूकता का सशक्त केंद्र है।

श्री मिश्रा ने कहा कि महिला योग भवन एवं जुंबा सेंटर महिलाओं को स्वस्थ, आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। योग एवं फिटनेस गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य के साथ-साथ सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। वहीं महतारी सदन बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं समग्र विकास के लिए एक आदर्श मंच सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार भी महिलाओं, बच्चों एवं परिवारों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश का यह प्रथम हाईटेक महतारी सदन सरकार की जनकल्याणकारी सोच और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने इस अवसर पर रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जनसुविधाओं के विस्तार और सामाजिक अधोसंरचना के विकास से क्षेत्र की प्रगति को नई गति मिल रही है। उन्होंने इस अभिनव पहल के लिए विधायक श्री राजेश मूणत को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति तभी संभव है जब महिलाओं को सम्मान, अवसर और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। नारी सशक्तिकरण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का आधार है।कार्यक्रम के अंत में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह हाईटेक महतारी सदन, महिला योग भवन एवं जुंबा सेंटर आने वाले समय में महिलाओं, बच्चों और परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनेगा तथा सामाजिक विकास का एक प्रेरणादायी मॉडल स्थापित करेगा।

कबीर जयंती पर सडक़ सुरक्षा, नशा मुक्ति का चलाया जनजागरूकता अभियान

दुर्ग। कबीर साहब के 629वें प्रकट दिवस के अवसर पर ग्राम करहीडीह स्थित कबीर नगर में सडक़ सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं साइबर अपराधों की रोकथाम को लेकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग यातायात पुलिस, साइबर सेल एवं श्रमजीवी पत्रकार संघ की सहभागिता रही, जहां नागरिकों को सुरक्षित और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रमजीवी पत्रकार संघ दुर्ग जिला इकाई के अध्यक्ष ललित साहू के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट के महत्व, नशे के दुष्प्रभावों तथा सुरक्षित वाहन संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के लिए फर्जी लिंक, ऑनलाइन ठगी, ओटीपी साझा करने के खतरे और डिजिटल सुरक्षा उपायों पर भी जागरूक किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /32168/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 13-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32168
वार्ड का नाम-1- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801H00072 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJESH CHANDERKAR पिता/पति, श्री/श्रीमती GANGA PRASAD CHANDRAKER के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MEENA AGRAWAL पिता/पति, श्री/श्रीमती RAJ KUMAR AGRAWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ बिक्री प्रमाण पत्र का पंजीयन (अचल संपत्ति के लिए) / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं./32166/न.पा.नि./जोन क्रं. 8/2026
रायपुर दिनांक : 13-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32166
वार्ड का नाम-1- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR801H0072A जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती RAJESH CHANDERKAR पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O GANGA PRASAD CHANDRAKER के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती AAYUSH GARG पिता/पति श्री/श्रीमती RAJ KUMAR GARG ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ बिक्री प्रमाण पत्र का पंजीयन (अचल संपत्ति के लिए) / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सूरजपुर

रायपुर, सोमवार 15 जून 2026

स्वदेशी ही आत्मनिर्भर भारत का आधार प्रांतीय विचार वर्ग में गूंजा स्वावलंबन का संदेश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय विचार वर्ग एवं कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के सभी संभागों से आए दायित्ववान कार्यकर्ता, केंद्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी, प्रांत स्तरीय कार्यकर्ता तथा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का पंचम सत्र मे सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज सरगुजा जिला संचालक भगवान दास बंसल, गुरु गहरा विश्वविद्यालय के कुलपति राजेंद्र लखपाले, अर्थशास्त्री एवं स्वदेशी चिंतक प्रो. अश्विनी महाजन, स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय संयोजक श्री सुधीर दाते, प्रांत संयोजक एवं स्वावलंबी भारत अभियान के समन्वयक जगदीश पटेल सुब्रत चाकी सहित अनेक गणमान्यजन मंचासीन रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जगदीश पटेल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने के लिए स्वदेशी चिंतन और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने स्वावलंबी भारत अभियान के उद्देश्यों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला।इसके पश्चात क्षेत्रीय संयोजक श्री सुधीर दाते ने स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना, कार्यपद्धति, वैचारिक आधार तथा संगठन द्वारा देशभर में किए जा रहे विविध जनजागरण अभियानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक अवधारणा नहीं, बल्कि राष्ट्र के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक पुनर्जागरण का सशक्त माध्यम है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज जिला संचालक भगवानदास बंसल कुलपति राजेन्द्र लखपाले ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत, 'वोकल फॉर लोकल' एवं स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन हेतु किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के उपयोग एवं स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देकर ही भारत विश्व अर्थव्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संसाधनों के सदुपयोग तथा रोजगार सृजन में स्वदेशी की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रो. अश्विनी महाजन ने वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, भारत की आर्थिक संभावनाओं तथा स्वदेशी आधारित विकास मॉडल पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति, विशाल बाजार एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है।

जब हम भारत की आर्थिक और रोजगार की स्थिति के बारे में विचार करते तो हमें

अपनी पिछली स्थिति देखनी होती है। भारत लगभग 10 हजार वर्षों से एक उत्तम और समृद्ध अर्थव्यवस्था के रूप में ही विश्व में विख्यात रहा है। अनेक बार प्रोफेसर एंगस मेडिसन, जो लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर थे और वर्ल्ड बैंक की स्टडी के अंतर्गत ही उन्होंने बड़ी रिपोर्ट बनाई थी, की चर्चा होती है। उन्होंने 30 से अधिक अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर अनेक वर्ष अध्ययन करते रहे। अपनी रिपोर्ट 'मिलेनियम पर्सपेक्टिव- 2000 ईयर हिस्ट्री ऑफ वर्ल्ड इकानोमी' में स्पष्ट लिखते हैं कि शून्य ईस्वी (ए.डी.) से लेकर 1500 तक भारत विश्व उत्पाद का 33 प्रतिशत तक हिस्सा देता था । सब प्रकार के आक्रमणकारी व अंग्रेजों द्वारा हमारे अर्थ तंत्र को तोड़ने के बाद भी यह 1720 ईस्वी में 24 प्रतिशत व 1870 तक भी 12 प्रतिशत तक था और 1947 में यह 2 प्रतिशत से भी कम रह गया, जो आज 4 प्रतिशत के आसपास है।

केवल यही एक बड़ा अध्ययन नहीं है, बाद में उत्सा पटनायक (एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री), जिन्होंने कैलिफोर्निया में रहकर गहन अध्ययन के पश्चात रिपोर्ट दी। उनका कहना है कि 1757 से लेकर 1936 तक अंग्रेजों ने, जो विभिन्न प्रकार से टैक्स व अन्य तरीकों से भारत से लूट की, उसकी मात्रा 45 ट्रिलियन डॉलर तक की है। अमेरिका जो विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, वह भी अभी केवल 24 ट्रिलियन डालर की है। यानि अमरीका की वार्षिक जीडीपी का दोगुना जितनी संपत्ति तो अंग्रेजों ने ही लूटी। कहने का अर्थ यह है कि भारत में इतनी समृद्धि रही है, इसके कारण से भारत में बेरोजगारी का तो प्रश्न ही नहीं उठता था। डिजिटल इकोनामी: भारत का भविष्य यद्यपि एक नकारात्मक धारणा भी भारत के युवाओं और अर्थशास्त्रियों में रहती है कि यदि हम डिजिटल प्रक्रिया में जाएंगे तो रोजगार के अवसर कम होंगे। किंतु ऐसा नहीं है। यदि हम डिजिटल इकोनामी अथवा नए प्रकार के प्रोडक्ट नहीं लाएंगे, ए.आई. रोबोटिक्स पर नहीं जाएंगे, तो हम अर्थ व रोजगार के क्षेत्र में बुरी तरह से पिछड़ सकते हैं। भारत को इस मार्ग पर तेजी से जाना चाहिए। भारत के युवाओं में यह क्षमता है। फिर भारत में जितनी तेजी से ग्रामीण क्षेत्र में ढांचागत विकास, बिजली, वाईफाई और मोबाइल नेटवर्क हो रहा है, हम उससे इस विषय में विश्व के अग्रणी हो रहे हैं। भारत का यूपीआई ट्रांजैक्शन सिस्टम विश्व में सब जगह विश्वसनीयता प्राप्त कर रहा है। भारत में जितना ट्रांसजेक्शन डिजिटल माध्यम से होने लगा है, उतना अमेरिका और चीन में मिलकर भी नहीं होता। गत वर्ष भारत में 720 लाख करोड़ रुपए का डिजिटल ट्रांसजेक्शन हुआ है। भारत को यदि एक ट्रिलियन डॉलर के आईटी सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट करने का लक्ष्य रखना है तो डिजिटल इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रम हमें प्रारंभ करने ही होंगे। भारत के युवा इस विषय में विश्व के युवाओं की अपेक्षा अधिक कुशल भी हैं। इसे हमारी विशेषता और ताकत मानना चाहिए और शीघ्रता से डिजिटल इकोनामी की तरफ बढ़ना चाहिए। भारत के रिजर्व बैंक ने अपनी डिजिटल करेंसी मार्केट में उतार भी दी है, जोकि धीरे-धीरे प्रचलित हो रही है। कार्यक्रम का संचालन सरगुजा संभाग संयोजक राजकिशोर चौधरी ने किया तथा आभार सहसंयोजक उपेंद्र यादव ने व्यक्त किया द्य

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने स्वदेशी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहित करने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

यह प्रांतीय विचार वर्ग एवं कार्यशाला आगामी सत्रों में स्वदेशी अर्थनीति, रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास, स्थानीय उत्पादन, शिक्षा, कृषि एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर गहन चर्चा एवं प्रशिक्षण के साथ आगे बढ़ेगी। स्वदेशी अपनाएं ङ्क स्वावलंबी भारत बनाएं के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का प्रथम दिवस उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मोदी जी के 12 वर्षों का यह कार्यकाल स्वर्णिम और ऐतिहासिक काल - सांसद वर्मा

विकसित भारत की नींव का निर्माण इन 12 वर्ष के स्वर्णिम कार्यकाल में हुआ

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-प्रदेश की राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनादेश के साथ निर्वाचित होकर लगातार 12 वर्षों से प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से उनको बहुत-बहुत बधाई देते हुए श्रीमती वर्मा ने कहा कि 12 वर्षों का यह कार्यकाल स्वर्णिम और ऐतिहासिक काल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी खुद को प्रधानमंत्री नहीं, प्रधान सेवक कहते हैं। 140 करोड़ भारतवासियों को अपना परिवार मानते हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को मूलमंत्र मानते हुए दिन और रात 140 करोड़ भारतवासियों की सेवा करते हैं। श्रीमती वर्मा रविवार को यहाँ श्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के शानदार 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव को सम्बोधित कर रही थी।

श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। एक समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा भारत जो किसी को छेड़ता नहीं है और छेड़ने वाले को छोड़ता भी नहीं है। दुश्मनों को घर में घुसकर मारता है। ऐसे नए भारत का निर्माण प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हुआ है। 12 वर्षों में प्रधानमंत्री ने देश के विकास के लिए अद्भुत काम किए हैं। अगर गरीब कल्याण की बात करें तो सरकार ने जन-धन योजना के तहत 58

करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले, जिनमें 32 करोड़ से ज्यादा खाते सिर्फ महिलाओं के हैं। कोरोना जैसी महामारी के मुश्किल वक्त से लेकर अब तक 81 करोड़ से ज्यादा देशवासियों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। इलाज के खर्च से गरीब को बचाने के लिए आयुष्मान भारत योजना में 60 करोड़ से ज्यादा हेल्थ कार्ड बने हैं, जिससे मुफ्त इलाज की गारंटी मिली है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से भी 58 करोड़ से ज्यादा लोगों को एक मजबूत सुरक्षा कवच मिला है। गरीबों के जीवन को आसान बनाने के लिए पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों को पक्के मकान दिए गए हैं। उज्ज्वला योजना के जरिए 11 करोड़ महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन देकर धुएँ से आजादी दी गई है। गाँवों के विकास के लिए जल जीवन मिशन के तहत 16 करोड़ से ज्यादा घरों तक नल से साफ पानी पहुँचाया जा चुका है, वहीं स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाकर देश में स्वच्छता की एक नई क्रांति लाई गई है। रेहड़ी-पटरी वाले भाई-बहनों के लिए पीएम स्वनिधि योजना से 74 लाख से ज्यादा लोगों को बिना किसी परेशानी के लोन लिए लखपति दीदी योजना से 3 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को फायदा मिला है। बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 4.5 करोड़ से ज्यादा खाते खोले जा चुके हैं। देश की सुरक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सुरक्षाबलों में महिला अफसरों की संख्या 3 हजार से बढ़ाकर सीधे 11 हजार कर दी गई है। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से 1 करोड़ घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगाए गए हैं।

वर्ष 2014 से 2026 तक की हमारी यह 12 वर्ष की यात्रा निरंतर 'प्रगति पथ पर अग्रसर' रही है। हमने 'सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत' का जो संकल्प लिया था, वह आज पूरी तरह साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्पष्ट कहना है कि विकास हमारे लिए 24 घंटे, सातों दिन और 12 महीने चलने वाला मिशन है। आज हमारी कार्यसंस्कृति बदल चुकी है, अब 'जिसका शिलान्यास हम करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम ही करते हैं। पिछले 12 वर्षों में, हमने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर कंक्रीट, स्टील, ऑप्टिकल फाइबर और लाखों करोड़ों रुपये के निवेश के रूप में उतरते देखा है। पिछले 12 वर्षों में देश का विकास तो हुआ ही है, साथ ही हमारी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव को भी एक नया मुकाम मिला है। गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पाते हुए 'राजपथ' का नाम 'कर्तव्य पथ' किया गया और इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा लगाई गई। बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन से जुड़े 5 मुख्य स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया। आदिवासी समाज के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर उन वीरों को सम्मान दिया गया, जिन्हें इतिहास में भुला दिया गया था। नए भारत की बुलंद सोच के प्रतीक के रूप में सरदार पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और नए संसद भवन का निर्माण किया गया। रेसकोर्स रोड का नाम 'लोक कल्याण मार्ग और मुगल गार्डन का नाम 'अमृत उद्यान' किया गया। नई संसद में पवित्र 'सेंगोल' को स्थापित किया गया। अंडमान-निकोबार के 21 द्वीपों के नाम हमारे परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे गए और पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर 'श्री विजयपुरम' किया गया है। हमारे वीर शहीदों की याद में बना 'राष्ट्रीय युद्ध स्मारक' आज हर भारतीय को देश प्रेम की प्रेरणा दे रहा है। हमारी संस्कृति की ताकत देखिए कि आज 177 देश एक साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं। श्रीमती वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार ने 'जनता कर्फ्यू', 'थाली-ताली अभियान', 'हर घर तिरंगा' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसी पहलों से देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक सूत्र में पिरो दिया है। फिट इंडिया मूवमेंट और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों ने देश के लोगों में स्वदेशी और अच्छी सेहत के प्रति एक नया भरोसा जगाया है। भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को धरातल पर उतारा है। आज दुनिया के मंच पर भारत एक 'समाधान देने वाले देश' के रूप में मजबूती से खड़ा है। 'वैक्सीन मैत्री' के जरिए मुश्किल वक्त में 99 देशों तक दवाइयाँ पहुँचाकर भारत दुनिया का सबसे भरोसेमंद दोस्त बनकर उभरा है। जी-20 की कामयाब अध्यक्षता, 39 नए दूतावासों का खुलना और ?70 लाख करोड़ से ज्यादा का विदेशी निवेश आना यह दिखाता है कि आज पूरी दुनिया को भारत पर पूरा भरोसा है।

टोइंग ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए भारत के 45 शहरों में अपनी मौजूदगी दर्ज की

रायपुर - किफायती फूड डिलीवरी ऐप 'टोइंग' ने रायपुर में अपने लॉन्च की घोषणा की। पिछले 7+ महीनों में, टोइंग ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए भारत के 45 शहरों में अपनी मौजूदगी दर्ज की है और यह अपने ऐप पर खाने-पीने की सभी चीजों पर सबसे कम कीमत की गारंटी देता है, जो रेस्टोरेंट के टेबल मेन्यू की कीमत के बराबर या उससे कम होती है। इसके अलावा, टोइंग पर किए गए किसी भी ऑर्डर पर न तो पैकेजिंग चार्ज लिया जाता है और न ही कोई प्लेटफॉर्म फीस। इससे टोइंग बाजार में उपलब्ध सबसे किफायती फूड डिलीवरी ऐप बन जाता है। यूजर्स इस ऐप पर बिरयानी, बर्गर और बाउल जैसे कई तरह के व्यंजन 99 रुपये से कम में ऑर्डर कर सकते हैं।टोइंग, जिसे 2025 की दूसरी छमाही में पहली बार पुणे में लॉन्च किया गया था, अब आगरा, वडोदरा, गुवाहाटी,नासिक, नागपुर, पटना, औरंगाबाद, भोपाल, दिल्ली, मेरठ, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, चंडीगढ़, अहमदाबाद, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, भुवनेश्वर, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, लुधियाना, कोयंबटूर, विशाखापट्टनम, सूरत, मंगलुरू, राजकोट, देहरादून, मुदराई, तिरुपति, गोवा, जम्मू, कोटा, मैसूर, रांची, जालंधर और पटियाला में भी लाइव है।

सैमसंग ने फुटबॉल प्रशंसकों के लिए शुरू किया बिग गेम, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट मोमेंट्स कैम्पेन

गुरुग्राम: सैमसंग इंडिया ने आज फुटबॉल प्रेमियों के लिए अपने विजन एआई बिग टीवी पर विशेष ऑफर्स की घोषणा की है। बिग गेम, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट मोमेंट्स नामक इस कैम्पेन के तहत कंपनी ग्राहकों को घर बैठे टीवी पर मैच देखने का रोमांचक अनुभव देती है, जो उन्हें स्टेडियम जैसा रोमांच महसूस कराता है। सैमसंग की 2026 विजन एआई टीवी सीरीज में मौजूद एआई सॉकर मोड फुटबॉल मैच के हर पल को और रोमांचक बना देता है। यह रिकॉर्ड-टाइम में दृश्यों का विश्लेषण कर गेंद की तेज रफ्तार को अधिक स्पष्टता से दिखाता है, रंगों को और निखारता है और ऐसा साउंड अनुभव देता है, जिससे आप स्टेडियम में बैठकर मैच का आनंद ले रहे हों। विजन एआई कंपैनियन (वीएसी) सैमसंग टीवी में एआई प्लेटफॉर्म्स जैसे बिक्सबी, परप्लेक्सिटी और माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट को एकीकृत करता है, जो एआई अपस्केलिंग प्रो के साथ कम रिज़ॉल्यूशन वाले कंटेंट को बेहतर विवरण, गहराई और कंट्रास्ट के साथ पेश करता है। कलर बूस्टर प्रो रंगों को अधिक जीवंत और वास्तविकता के करीब बनाता है, जबकि एआई साउंड कंट्रोलर कमेंट्री, संगीत और दर्शकों के शोर को संतुलित कर अविस्मरणीय साउंड अनुभव देता है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर जिला अस्पताल सूरजपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

कलेक्टर रेना जमील ने किया रक्तदान

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल सूरजपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी एवं कलेक्टर श्रीमती रेना जमील विशेष रूप से उपस्थित रहीं। शिविर का आयोजन इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी जिला सूरजपुर के सहयोग से किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कलेक्टर सहित बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया।

विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों को किसी प्रकार का भय नहीं रखना चाहिए। रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे कोई नुकसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खराब जीवनशैली एवं रासायनिक पदार्थों के बढ़ते उपयोग का प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ऐसे में लोगों

को जैविक खेती और पौष्टिक खानपान को अपनाने की आवश्यकता है, ताकि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ रक्त का निर्माण हो सके। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति का रक्त अनेक लोगों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विधायक श्री मरावी ने जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह योगदान मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि रक्तदान जीवनदान के समान है। उन्होंने कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में जानकारी का अभाव है और कई बार रक्तदाता यह भी नहीं जान पाते कि उनके द्वारा दान किए गए रक्त से

किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रक्त का कृत्रिम निर्माण संभव नहीं है, इसलिए समाज में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है, ताकि रक्त के अभाव में किसी भी व्यक्ति की जान न जाए।

कलेक्टर ने कहा कि रक्तदाताओं को समाज में सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे न केवल रक्तदाताओं को अपने योगदान का महत्व महसूस होगा, बल्कि अन्य लोग भी प्रेरित होकर रक्तदान के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी प्रकार की हानि नहीं होती, बल्कि यह मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। यदि हमारा रक्त किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है, तो उससे बढ़कर कोई संतोष नहीं हो सकता। इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी जिला सूरजपुर के चेयरमैन श्री बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि समाज के सहयोग के बिना रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में लगभग 30 यूनिट रक्त उपलब्ध है, जबकि इसकी भंडारण क्षमता 500 यूनिट की है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि आज भी रक्तदान को लेकर समाज में अनेक भ्रांतियां व्याप्त हैं, जिन्हें जनजागरूकता के माध्यम से दूर करने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने रेड क्रॉस की गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक संसाधनों की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील सहित अनेक लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। साथ ही रक्तदान करने वाले एवं रक्तदान जागरूकता में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के माध्यम से लोगों को रक्तदान के महत्व एवं आवश्यकता के प्रति जागरूक किया गया तथा अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की गई।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, सोमवार 15 जून 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

सीजेरियन डिलीवरी

भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवत: इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं। भारत में अब 90 फीसदी बच्चों का जन्म अस्पताल में होता है। ये अच्छी खबर नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे-6 (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट से आई है। उधर नई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैस्टिकल रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कुल जितने बच्चों का जन्म हुआ, उनमें 66.4 प्रतिशत अपने माता-पिता की पहली संतान थे। लगभग 23 प्रतिशत दूसरी और 7.3 फीसदी तीसरी संतानों का जन्म हुआ। सिर्फ 3.5 प्रतिशत मामलों में चौथी या उसके बाद की संतानों का जन्म हुआ। ये आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन के लिए बढ़ी चेतना की तस्दीक करते हैं। एनएफएचएस-6 के मुताबिक भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) 2.0 रह गया है, जो आदर्श 2.1 से थोड़ा कम है। फिलहाल, यह चिंता का विषय नहीं है, लेकिन टीएफआर और गिरा, तो भविष्य में एक नई चुनौती देश के सामने आ सकती है। बहरहाल, एनएफएचएस-6 से अभी गंभीर चिंता का कारण बन चुका एक रुझान सामने आया है। इसके मुताबिक 2023-24 में प्राइवेट अस्पतालों में 54 प्रतिशत डिलीवरी सीजेरियन हुई। पश्चिम बंगाल में तो ये संख्या 87.7 और तेलंगाना 84 प्रतिशत थी। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सिर्फ 10 से 15 प्रतिशत मामलों में सीजेरियन डिलिवरी को स्वीकार्य सीमा में मानता है। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं के लगभग पूरी तरह बीमा आधारित होने के बावजूद सीजेरियन डिलीवरी की दर 32 प्रतिशत ही है। स्कैंडेनेवियन देशों में तो यह 16 से 19 फीसदी तक है। ये आंकड़े बताते हैं कि सीजेरियन डिलीवरी की जरूरत बहुत कम मामलों में पड़ती है। फिर भी भारत में प्राइवेट अस्पतालों में आधी से ज्यादा डिलीवरी इस तरीके से हो रही है, तो इसके पीछे मुख्य कारण मुनाफा कमाने की व्यापारिक मानसिकता को ही समझा जाएगा। एनएफएचएस-6 से सामने आया है कि भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें बड़ा योगदान सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवत: इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं। अगर ऐसा हो रहा है, तो इसकी पड़ताल की जरूरत है, क्योंकि सरकारी बीमा के तहत अस्पतालों को जो भुगतान होता है, वह करदाताओं की जेब से ही आता है।

महंगे तेल के झटकों से निजात जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

उम्मीद करें कि सरकार महंगे ईंधन से बढ़ती महंगाई को तात्कालिक उपायों से नियंत्रित करके आम आदमी को राहत देगी। उम्मीद करें कि महंगे तेल का यह दौर देश में नवीनकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के ऐसे नए दौर को आकार देगा, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में कमी आएगी और विदेशी मुद्रा में बड़ी बचत होगी यकीनन इस समय भारत समेत पूरी दुनिया के लोग महंगे ईंधन की चुनौती का सामना कर रहे हैं। हाल ही में अमरीका व ईरान के बीच ताजा झड़पों से तेल और गैस की कीमतों में फिर उछाल देखने को मिला है। 7 जून से घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक अभी तक पेट्रोल-डीजल में की गई चार मूल्यवृद्धि के बाद भी सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर हर दिन 750 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा हो रहा है। ऐसे में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने 2 जून को अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अगर ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो तेल कंपनियां अपना घाटा कम करने के लिए आने वाले दिनों में कुल बढ़ोतरी को 2.50 रुपए से लेकर 10 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा सकती हैं। प्रमुख कंसल्टेंसी फर्म ईवाई इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में वित्त वर्ष 2026-27 में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से महंगाई दर 6 प्रतिशत से अधिक का स्तर छू सकती है। अब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर भारत में ईंधन की कीमत में कोई और वृद्धि आम आदमी के लिए महंगाई की मुश्किलें और बढ़ा सकती है। इस बात को ध्यान में रखा जाना जरूरी है कि पहले भी पिछले पांच दशकों में तेल के कई झटके आम आदमी की मुश्किलों सहित देश की विकास दर में तेज गिरावट के कारण बने हैं। ऐसे में तेल के झटकों से निजात के मद्देनजर महंगाई से गरीबों को बचाने के तात्कालिक उपायों के साथ दीर्घकालीन रणनीति पर आगे बढना जरूरी है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली के दौरान वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोल, डीजल और गैस का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। ऐसे में पश्चिम एशियाई संकट के कारण नागरिकों को यह जिम्मेदारी निभानी होगी कि वे जहां तक संभव हो, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। इलेक्ट्रिक कारों और कार पूलिंग को प्राथमिकता दें। साथ ही कोरोना काल की तरह वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन मीटिंग्स को बढ़ावा दें। ऐसे में लोगों के द्वारा पेट्रोल-डीजल का किफायत से उपयोग किया जाना जरूरी है। देश में पेट्रोल-डीजल की महंगाई से आम आदमी को राहत देने के लिए केंद्र सरकार के द्वारा भी टैक्स में कमी तथा राज्य सरकारों के द्वारा वैट में कमी सहित अन्य उपायों पर आगे बढ़ा जाना होगा। वस्तुत: तेल के झटकों पर सरकार का नियंत्रण नहीं होता। यदि हम पिछले कुछ दशक में तेल की कीमतों से आए बड़े झटकों को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1973 में तेल संकट के समय तेल की कीमतें चार गुना होकर 3 डॉलर प्रति बैरल से 12 डॉलर तक पहुंच गईं और महंगाई करीब 30 प्रतिशत तक बढ़ गई। तेल का दूसरा झटका वर्ष 1979 में लगा और तेल के दाम दोगुने से अधिक 30 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था में करीब 5 फीसदी की गिरावट आ गई। तेल का तीसरा झटका वर्ष 1990 में लगा और तेल की कीमतें फिर दोगुना हो गई। इसके बाद 2012 में लगे झटके से तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। साथ ही 2014 तक तेल की कीमतें 100 डॉलर से ऊपर बनी रहीं। उसके बाद एक लंबे समय तक तेल की कीमतों में कमी का परिदृश्य दिखाई दिया। निश्चित रूप से सरकार के द्वारा तेल के झटकों से बचने के लिए दीर्घकालीन रणनीति पर भी आगे बढना जरूरी है। पेट्रोल-डीजल के नवीनकरणीय विकल्पों पर आगे बढना होगा। पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण 20 प्रतिशत से बढ़ाया जाना होगा। सरकार के द्वारा शीघ्रतापूर्वक पेट्रोल पंपों पर अलग-अलग एथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल की बिक्री की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी होगी। डीजल में आइसोब्यूटेनॉल मिलाना अनिवार्य किया जाना होगा। तेल की मांग में कमी करने हेतु इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के उपयोग में तेजी लाई जानी होगी। एथेनॉल और इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल से जहां आम आदमी को सस्ता और प्रदूषणमुक्त सफर मिलेगा, वहीं कच्चे तेल का आयात कम होने से देश का पैसा बचेगा और किसानों की कमाई भी बढ़ेगी। भारत के पास इस समय पेट्रोल-डीजल पर अपनी निर्भरता कम करने और क्लीन एनर्जी की तरफ तेजी से बढने का स्वर्णिम अवसर है। ब्लूमबर्ग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, ईंधन संकट को भांपते हुए भारत सरकार ईवी सेक्टर के लिए 1 अरब डॉलर से अधिक के प्रोत्साहन पैकेज पर विचार कर रही है, जिसका उद्देश्य कमर्शियल वाहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों को तेजी से अपनाना है। अब ओडिशा सरकार के द्वारा ईंधन की खपत घटाने के लिए जारी किए गए उस 8-सूत्रीय निर्देश को अन्य सरकारों के द्वारा भी आदर्श मानना होगा, जिसके तहत सभी सरकारी विभागों में पेट्रोल-डीजल वाहनों की खरीद पर रोक लगा दी गई है और केवल इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने को अनिवार्य कर दिया गया है। अब भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई रफ्तार दी जानी होगी। सरकार को इलेक्ट्रिक कार तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि इलेक्ट्रिक बसों व ट्रकों को भी बढ़ावा देना होगा। यद्यपि कच्चे तेल की जरूरत पूरी तरह खत्म नहीं होगी, मगर उस पर निर्भरता घटाना होगी और अब नवीकरणीय ऊर्जा को भारत का सबसे बड़ा नया सुरक्षा कवच बनाया जाना होगा। यद्यपि देश में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी कुल बिजली उत्पादन में इसका एक चौथाई भाग ही है। अब 2030 तक इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढना होगा। अब परिवहन क्षेत्र का अधिकतम विद्युतीकरण जरूरी है। रेलवे अपने लगभग सभी इंजन बिजली से चलाने लगा है। सडक परिवहन में बिजली का इस्तेमाल बढ़ाया जाना होगा। सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या भी बढ़ाना होगी। घरों में खाना पकाते समय भी बिजली का इस्तेमाल बढ़ाना होगा। हाइड्रोकार्बन पर चलने वाली कई औद्योगिक प्रक्रियाएं भी बिजली पर चलाना होंगी। परिवहन को हरित बनाने के लिए अतिरिक्त बिजली का उत्पादन सौर, पवन या परमाणु ऊर्जा से किया जाना होगा। अब देश भर में सरकारी और निजी क्षेत्रों की कंपनियों के द्वारा वर्चुअल मोड (ऑनलाइन) पर आधिकारिक बैठकें, समीक्षाएं और ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए जाने को प्राथमिकता दी जानी होगी। पेट्रोल और डीजल को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में शामिल किए जाने की राह पर भी आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि पेट्रोलियम उत्पादों पर राज्यों को मिलने वाला वैट उनके लिए महत्वपूर्ण आय का स्रोत है, इसलिए पेट्रोल-डीजल को तुरंत बिना शर्त जीएसटी में शामिल करने के बजाय संतुलित और चरणबद्ध रूप से अपनाने के लिए कोई उपयुक्त फॉर्मूले के साथ आगे बढ़ा जाना होगा। उम्मीद करें कि सरकार महंगे ईंधन से बढ़ती महंगाई को तात्कालिक उपायों से नियंत्रित करके आम आदमी को राहत देगी। उम्मीद करें कि महंगे तेल का यह दौर देश में नवीनकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के ऐसे नए दौर को आकार देगा, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में कमी आएगी और विदेशी मुद्रा में बड़ी बचत होगी। उम्मीद करें कि भारत में ईवी, बैटरी, सोलर एनर्जी और एनर्जी स्टोरेज का भविष्य केवल मांग, पूंजी या नीति से तय नहीं होगा, बल्कि क्रिटिकल मिनरल्स, बैटरी मटीरियल, रिफाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग उपकरण और प्रोसेस नॉलेज की योजना और निवेश से भी तय होगा। उम्मीद करें कि ऐसे बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से भारत तेल के झटकों से निर्मित महंगाई की चुनौतियों का प्रभावी रूप से मुकाबला कर पाएगा।

आलेख

कल्याण से महिला नेतृत्व वाले विकास तक

साल 2014 से 2026 के बीच, भारत ने सभी क्षेत्रों और संस्थानों में महिला कल्याण से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। सरकार द्वारा अपनाए गए समग्र दृष्टिकोण ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, पोषण, आजीविका, वित्तीय समावेशन और नेतृत्व के अवसरों तक महिलाओं की पहुंच को मजबूत किया है। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), उद्यमिता और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों ने महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है। स्वच्छता, आवास, स्वच्छ ईंधन और नल के स्वच्छ पानी तक बेहतर पहुंच ने गरिमा, सुरक्षा और जीवन की गुणवत्ता को मजबूत किया है। शासन, सार्वजनिक संस्थानों और निर्णय लेने में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। पिछले बारह सालों में, भारत में महिलाओं के विकास में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। पहले महिलाओं को केवल सहायता और समर्थन दिया जाता था, लेकिन अब महिलाओं की भागीदारी, उनके लिए अवसर और उनके नेतृत्व को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। महिलाओं को अब महज़ लाभार्थी के रूप में नहीं देखा जाता। वे विकास और प्रगति को आकार देने में अहम भूमिका निभा रही हैं। यह बड़ा परिवर्तन जीवन चक्र के सभी चरणों में लाए गए नए बदलावों की मदद से मुमकिन हो पाया है। ये प्रयास बालिकाओं के संरक्षण और शिक्षा से शुरू होते हैं और स्वास्थ्य, पोषण, कौशल, उद्यमिता और नेतृत्व तक जारी रहते हैं। अब जोर सतत् भागीदारी और मापने योग्य परिणामों पर है। ये बदलाव आज सभी क्षेत्रों में दिखाई दे रहे हैं। वर्तमान में अधिक लड़कियां स्कूलों में रह रही हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। वित्तीय समावेशन ने महिलाओं की बैंकिंग और ऋण तक पहुंच का विस्तार किया है, जिससे उनकी आजीविका और आर्थिक स्वतंत्रता भी मजबूत हुई है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और स्वच्छ खाना पकाने के लिए ईंधन तक बेहतर पहुंच ने गरिमा और जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। महिलाएं सार्वजनिक और राजनीतिक क्षेत्रों में भी अधिक सक्रिय हो रही हैं। स्थानीय शासन, सामुदायिक संस्थानों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। जन्म के समय की देखभाल बच्चे के जीवन और माँ के स्वास्थ्य की नींव रखती है। पिछले कुछ सालों में भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण सहायता और संस्थागत प्रसव प्रणालियों के ज़रिए मातृ एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल को मजबूत किया है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ: भारत की बेटियों को सशक्त बनाने का एक दशक 22 जनवरी 2015 को शुरू की गई यह योजना सरकार की एक पहल है। इसका मकसद घटते बाल लिंग अनुपात को संबोधित करना, भेदभावपूर्ण लिंग चयन को रोकना और बालिका के जीवन रक्षा, संरक्षण और शिक्षा को बढ़ावा देना है। यह पहल संस्थागत प्रसव में सुधार, माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों के नामांकन में वृद्धि, स्कूल छोड़ने की दर में कमी और प्रसवपूर्व देखभाल पंजीकरण को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता और प्रबंधन के बारे में जागरूकता को भी बढ़ावा देती है। यह योजना बालिका सशक्तिकरण के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन के रुप में विकसित हो गई है, जो मानसिकता परिवर्तन और लैंगिक समानता पर केंद्रित है। इस योजना में पीसीपीएनडीटी (गर्भाधान पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक) अधिनियम के सख्ती से लागू करने के लिए लिंग-भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए सतत् जन जागरूकता प्रयासों के साथ एकीकृत किया गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) ने लिंग अनुपात में एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलाव को दर्शाया है, जिसमें भारत की जनसंख्या में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 (जनगणना 2011) महिलाओं की तुलना में 1,020 महिलाएं दर्ज की गई हैं। मातृ स्वास्थ्य और शिशु देखभाल के महत्व को पहचानते हुए, पीएमएमवीवाई योजना 2017 में शुरू की गई थी। यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को सहायता करने वाली मातृत्व लाभ योजना है। इस योजना के तहत, महिलाओं को पहले जीवित बच्चे के लिए दो किस्तों में ?5,000 और दूसरे बच्चे (केवल बालिका) के लिए ?6,000 मिलते हैं।

महात्मा गांधी नरेगा से जल संरक्षण का महाअभियान रोजगार और आजीविका को मिली नई ताकत बनी...

- पानी, रोजगार और समृद्धि का संगम: 'मोर गांव-मोर पानी' से बदल रहे गांव
- मनरेगा अंतर्गत प्रदेश में प्रतिदिन 11 लाख से अधिक श्रमिकों को रोजगार, 57 प्रतिशत महिलाएं
- 1610 करोड़ रुपये से एक लाख से अधिक जल संरक्षण कार्यों का निर्माण

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते जल संकट के बीच छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़कर विकास का नया मॉडल प्रस्तुत किया है। 24 अप्रैल 2025 से प्रारंभ 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा के तहत प्रदेशभर में जल संरक्षण, रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन को एक साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत लगभग 1610 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन संबंधी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जा रहा है। इन कार्यों से जहां जल सुरक्षा मजबूत हो रही है, वहीं प्रदेश में प्रतिदिन 11 लाख से अधिक ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है, जिनमें 57 प्रतिशत महिलाएं हैं। जल संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का यह संगम छत्तीसगढ़ को सतत ग्रामीण विकास की दिशा में नई पहचान दे रहा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण को सीधे आजीविका से जोड़ते हुए कई अभिनव पहलें शुरू की हैं। वर्तमान में समाज के संवेदनशील एवं कमजोर वर्गों की निजी भूमियों पर 13,065 आजीविका डबरियों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इन परिसंपत्तियों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को मत्स्य पालन, बागवानी और अन्य आयवर्धक गतिविधियों से जोड़कर अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी प्रकार 'नवा तरिया-आय के जरिया' पहल के अंतर्गत 624 सामुदायिक तालाब विकसित किए जा रहे हैं। क्लस्टर स्तर पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इन जल संरचनाओं से जोड़कर स्थायी आजीविका के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। इससे जल संरक्षण केवल प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तक सीमित न रहकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने का माध्यम भी बन रहा है। इसके साथ साथ अन्य जल सरंक्षण, संवर्धन कार्य भी व्यापक सामुदायिक भागीदारी से किए जा रहे है। प्रधान मंत्री आवास ग्रामीण अंतर्गत निर्मित 1.50 लाख से अधिक आवास में हितग्राहियों द्वारा अपने खर्च पर स्वेच्छा से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया है । 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान की विशेषता यह है कि इसमें आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। जल संरक्षण कार्यों की वैज्ञानिक योजना और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए जीआईएस आधारित युक्तधारा प्लानिंग, क्लार्ट एप के माध्यम से स्थल चयन तथा वाटरशेड सिद्धांतों का उपयोग किया जा रहा है। भू-जल स्तर की नियमित निगरानी के लिए जलदूत प्रणाली लागू की गई है, जिसके माध्यम से खुले कुओं के जल स्तर का मापन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत भवनों की दीवारों पर भू-जल स्तर का लेखन कर स्थानीय स्तर पर जल बजट तैयार करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिससे जल प्रबंधन अधिक प्रभावी और समुदाय आधारित बन सके। मनरेगा के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश ने तकनीक आधारित नवाचारों को अपनाया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में क्यूआर कोड प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण अपने गांव में स्वीकृत एवं पूर्ण कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही रोजगार दिवस, आवास दिवस, सामाजिक अंकेक्षण और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से योजना में पारदर्शिता एवं जनविश्वास को और सुदृढ़ किया गया है अभियान की सबसे बड़ी सफलता इसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता है। जनप्रतिनिधियों, पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं, सामाजिक संगठनों, गैर-सरकारी संस्थाओं और ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी से जल संरक्षण का यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले चुका है। व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों, ग्राम सभाओं और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण को लोगों के दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने का प्रयास किया गया है। छत्तीसगढ़ का 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान आज 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास' की अवधारणा को धरातल पर साकार करता दिखाई दे रहा है। जल संरक्षण, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, तकनीकी नवाचार, पारदर्शिता और अभिसरण का यह मॉडल राज्य को भागीदारी से साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण समृद्धि का नया अध्याय लिख रहा है।

ई-कचरे की समस्या और समाधान

अरविंद सिंह गुलेरिया

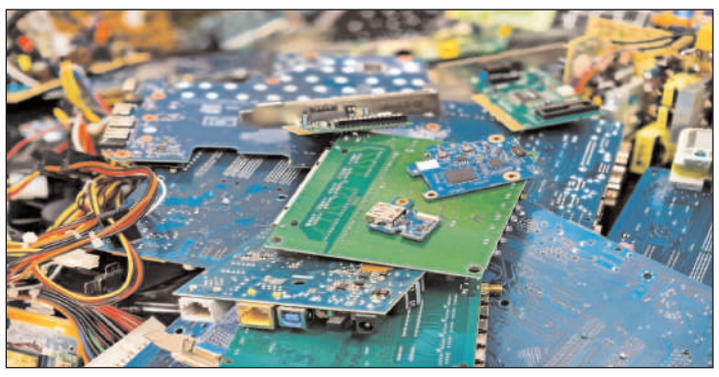

भारत सरकार ने ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग से खनिज निकालने के लिए एक क्रिटिकल मिनरल मिशन शुरू किया है, जिसके लिए 650 करोड़ रुपए का बजट है भारत ई-कचरे का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जो सालाना लगभग 1.4 मिलियन टन ई-कचरा पैदा करता है। हालांकि कुछ अनुमानों के अनुसार यह 3.2 मिलियन टन तक भी हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढने वाले ई-कचरा उत्पादक देशों में से एक है और वर्तमान में विश्व स्तर पर ई-कचरा पैदा करने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल है। डिजिटल अर्थव्यवस्था का तेज विकास, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का बढ़ता उपयोग और गैजेट्स का बार-बार बदला जाना इस वृद्धि के प्रमुख कारण हैं। भारत अन्य देशों से अवैध रूप से फेंके गए इलेक्ट्रॉनिक कचरे का गंतव्य भी बन रहा है, जिससे यह समस्या और बढ़ जाती है। भारत में क्षेत्रवार ई-कचरे में सबसे बड़ा योगदान कंप्यूटर और आईटी उपकरणों का है, जो लगभग 70 फीसदी है। इसके बाद दूरसंचार उपकरण करीब 12 फीसदी, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगभग 8 फीसदी, चिकित्सा उपकरण करीब 7 फीसदी और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक कचरा लगभग 3-4 फीसदी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार भारत में 7226 ई-कचरा उत्पादक हैं, जो अपने ब्रांड नाम के तहत बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाते, बेचते या आयात करते हैं। ई-कचरा प्रबंधन नियमों के तहत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) के कारण उत्पादकों के लिए एक केंद्रीय पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करना, ई-कचरे के संग्रह और रीसाइक्लिंग के विशिष्ट लक्ष्यों को पूरा करना, और अनुपालन रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य है। इन लगभग 7000 पंजीकृत उत्पादकों के लिए, 295 आधिकारिक रीसाइक्लर हैं जो ई-कचरे को तोडकर उसमें से धातु और खनिज निकालते हैं और 53 रीफर्बिशर हैं जो इस्तेमाल की गई वस्तुओं की मरम्मत और नवीनीकरण करके उन्हें दोबारा इस्तेमाल लायक बनाते हैं। ये सभी मिलकर देश में पैदा होने वाले कुल ई-कचरे का केवल 5.10 फीसदी ही प्रोसेस कर पाते हैं। चूंकि अनौपचारिक क्षेत्र की पहुंच बहुत अधिक है और उसके पास सस्ते श्रम का एक बड़ा नेटवर्क है, इसलिए औपचारिक क्षेत्र ई-कचरे के संग्रह और छंटाई के लिए कबाड़ीवालों जैसे लोगों पर निर्भर है। लेकिन ईपीआर प्रक्रिया उन्हें बाहर रखती है। ई-वेस्ट क्या है : ई-वेस्ट का मतलब ऐसे इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (ईईई) से है जिन्हें उपयोगकर्ता अपनी उपयोगी आयु खत्म होने के बाद, या तकनीकी बदलावों के कारण पुराने या बेकार हो जाने पर फेंक देते हैं। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वे हैं जो बिजली या इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड से चलते हैं। ई-वेस्ट तब पैदा होता है जब ये उपकरण ठीक से काम करना बंद कर देते हैं या उपभोक्ताओं को इनकी जरूरत नहीं रहती। इसमें इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग, मरम्मत, रीफर्बिशमेंट और मेंटेनेंस के दौरान निकलने वाला कचरा भी शामिल है। ई-वेस्ट के आम उदाहरण मोबाइल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट हैं। ई-वेस्ट : महत्त्वपूर्ण खनिजों का स्रोत : स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरा होने के अलावा, बिना सही उपकरणों के ई-वेस्ट को तोडने से ऐसे खनिज और धातुएं बर्बाद हो जाती हैं जो सर्कुलर इकोनॉमी में बहुत अहम हो रहे हैं। ई-वेस्ट लिथियम और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण और रेयर अर्थ खनिजों का बड़ा स्रोत है, जिनका इस्तेमाल ईवी बैटरी, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामानों में होता है। कुछ अनुमानों के मुताबिक भारत के ई-वेस्ट में मौजूद कीमती धातुओं और खनिजों की कीमत 4.9 बिलियन डॉलर है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग से खनिज निकालने के लिए एक क्रिटिकल मिनरल मिशन शुरू किया है, जिसके लिए 650 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों को ट्रेनिंग देकर उन्हें इस प्रक्रिया से जोडने से देश की फॉर्मल रीसाइक्लिंग क्षमता तो बढ़ेगी ही, साथ ही ई-वेस्ट में छिपी कीमत भी सामने आएगी। ई-कचरा प्रबंधन की आवश्यकता और कानूनी पृष्ठभूमि : ई-कचरे का उचित प्रबंधन पर्यावरण की सुरक्षा और मूल्यवान संसाधनों को बचाने के लिए बहुत जरूरी है। परंपरागत तरीके जैसे जलाना और असंगठित क्षेत्र में रीसाइक्लिंग करने से जहरीले तत्व निकलते हैं जो पर्यावरण और मजदूरों के स्वास्थ्य दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं। भारत में लंबे समय तक ई-कचरे के लिए कोई अलग कानून नहीं था। औद्योगिक खतरनाक कचरे के लिए फैक्ट्रीज एक्ट, 1948 का इस्तेमाल होता था। पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 मुख्य कानून था जो पर्यावरण से जुड़े सभी मुद्दों को देखता था। इसके अलावा खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 1989 थे जो खतरनाक कचरे के निपटान और सीमा पार आवाजाही को नियंत्रित करते थे। लेकिन इनमें से कोई भी कानून खास तौर पर ई-कचरे के लिए नहीं बना था।

राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर जीवन विद्या परिवार की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

चेतना विकास मूल्य शिक्षा और परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था पर केंद्रित होगा आगामी सम्मेलन

तैयारी को लेकर निरंजन धर्मशाला में हुई बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। जीवन विद्या के आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को सौंपी गई है। इस संबंध में रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में अभ्युदय संस्थान अछोटी द्वारा आयोजित आठ दिवसीय जीवन विद्या अध्ययन बिंदु शिविर के अंतिम दिन सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश के बांदा में आयोजित पिछले राष्ट्रीय सम्मेलन के अनुभवों एवं निर्णयों को साझा किया गया।

शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने मूल्यांकन प्रस्तुत किए। प्रबोधक सोमदेव त्यागी ने कहा कि अध्ययन बिंदु शिविर का अगला चरण छह मासिक अध्ययन शिविर होगा, जिसका आयोजन अभ्युदय संस्थान अछोटी में किया जाएगा। वहीं तीन मासिक अध्ययन शिविर का आयोजन हापुड़ (नई दिल्ली) में होगा।

उन्होंने बताया कि इसके पश्चात दिसंबर में जीवन विद्या का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से लगभग 1500 से 2000 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। इसके पूर्व नागपुर, अहमदाबाद और बांदा में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं।

मध्यस्थ दर्शन (सह-अस्तित्ववाद) के प्रकाश में देश भर में संचालित जीवन विद्या आधारित गतिविधियों के विस्तार और आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करने हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सोम त्यागी, सुरेंद्र पाल, बीआर अग्रवाल, उम्मेद नाहटा, अंकित पोगुला, अवधेश पटेल, संकेत ठाकुर सहित वरिष्ठ अध्येताओं की उपस्थिति में सम्मेलन के स्वरूप, समितियों के गठन और मुख्य विषयों पर गंभीर चिंतन-मंथन हुआ।

बैठक में सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों एवं कार्यदल का गठन किया गया। आवास, भोजन, पंजीयन, स्वागत, परिवहन, मंच एवं सभागार व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, मीडिया तथा प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां तय की गई। साथ ही विभिन्न जिलों के समन्वयकों की भूमिका भी निर्धारित की गई, ताकि राज्यभर के सहयोगियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में आयोजन के लिए आवश्यक संसाधनों एवं संभावित बजट पर भी चर्चा हुई। भोजन, आवास, टेंट एवं परिवहन जैसी व्यवस्थाओं का प्रारंभिक आकलन प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन की संपूर्ण तैयारी एवं समन्वय के लिए एक कोर कमेटी के गठन पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में उपस्थित सहयोगियों ने राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल, प्रेरक एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एवं थीम

इस बार के सम्मेलन की मुख्य थीम ÷चेतना विकास मूल्य शिक्षा संस्कार - परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य व्यवस्था का आधार (शिक्षा से व्यवस्था)÷ निर्धारित की गई है। सम्मेलन का उद्देश्य देश भर में हो रहे नवीन प्रयासों, शिक्षा और मानवीय जीवन शैली के प्रयोगों को एक साझा मंच प्रदान करना है। बैठक में यह तय किया गया कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक 'सम्मेलन समिति' और स्थानीय व्यवस्थाओं के लिए 'आयोजन समिति' मिलकर काम करेगी।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण और रूपरेखासम्मेलन को और अधिक प्रभावी व व्यावहारिक बनाने के लिए इसके पारंपरिक स्वरूप में कुछ महत्वपू बदलाव किए जा रहे हैं।

मंच चर्चा में मुख्य मंच पर इस बार नए विषयों को शामिल किया जाएगा और नए व युवा अध्येताओं के साथ-साथ वरिष्ठ प्रौढ़ विचारकों को अपनी बात रखने का विशेष अवसर दिया जाएगा।विशिष्ट प्रदर्शनियाँ (श्व×द्धद्दड्डद्बह्लद्बश्ठ्ठह्य): सम्मेलन में मानवीय जीवन शैली, ए. नागराज की जीवन यात्रा, मध्यस्थ दर्शन और व्यवस्था के पाँच आयामों से जुड़े प्रयासों की व्यापक झलक प्रस्तुत करने वाली प्रदर्शनियाँ लगाई जाएंगी। यहाँ उत्पादों की बिक्री न होकर केवल उनके समूह प्रयासों और उत्पादन की प्रदर्शनी होगी, ताकि नए लोग एक ही स्थान पर व्यापक सूचनाएँ प्राप्त कर सकें।

केस स्टडी और समानांतर गोष्ठियां: सम्मेलन के दौरान विभिन्न राज्यों में हुए नए प्रयोगों, ग्रामीण प्रयासों और शिक्षण सामग्रियों की केस स्टडी प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही प्रेरणादायक समानांतर गोष्ठियों और 'मैत्री मिलन' का भी आयोजन होगा। अंतिम दिन एक विशाल जनसभा (जनसंवाद) के लिए समय सुरक्षित रखा गया है।विभिन्न व्यवस्था समितियों का गठनसम्मेलन के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न जिम्मेदारियों का विकेंद्रीकरण करते हुए कोर टीमों की घोषणा की गई।

नगर ग्रुप की इनडोर गेम्स प्रतियोगिता सम्पन्न

जबलपुर (विश्व परिवार)। सोशल ग्रुप नगर के दंपति सदस्यों एवं बच्चों के लिए विगत वर्षो से अनवरत, स्व.श्री निर्मल चंद्र जैन (पूर्व राज्यपाल) स्मृति इनडोर गेम्स,दो दिवसीय, प्रतियोगिता दिनांक 13 एवं 14 जून 2026 को पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में आयोजित की गई । आज दिनांक 14 जून को *जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवोदित अध्यक्ष संदीप जैन ने गुब्बारे छोड़कर एवं दीप प्रज्जवलन कर आज आयोजित दो प्रतियोगिताएं बैडमिंटन एवं चेस स्पर्धाएं का शुभारंभ किया,* आपने अपने व्याख्यान में स्व.श्री निर्मल चंद्र जैन के जबलपुर में किए गए अवदान को सराहा ।कार्यक्रम में छोटी बेबी रायना ने अपने परदादा, स्व.श्री निर्मल चंद्र जैन (पूर्व राज्यपाल) स्मृति में भाव भीना उद्बोधन दिया। सोशल ग्रुप के खेल प्रभारियों ने तुलसी का पौधा देकर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष को सम्मानित किया।

पुरस्कार वितरण :- द्घरेलू महिलाएं का खेलो में विजय श्री प्राप्त करना प्रशंसनीय विनय सक्सेनाद्धसायं 3.30 बजे दीप प्रज्वलन एवं पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक, विनय सक्सेना,नेता प्रतिपक्ष,अंबरीष मिश्रा एवं कैलाशचंद्र जी अध्यक्ष जैन पंचायत सभा ने एड.श्री राकेश जैन दादा भाई ,ष्ट श्री मनोज जैन अध्यक्ष महाकौशल विंध्य रीजन, प्रफुल्ल जैन अध्यक्ष ÷नगर÷ ग्रुप ने दीप प्रज्वलन कर विधिवत दोनों स्पर्धाओं के पुरस्कार वितरण का शुभारंभ किया।इस चारों प्रतियोगिता के प्रभारीबैडमिंटन - श्रेयांस जैन एवं अनिल जैनकेरम - रविन्द्र जैन एवं नीतिन जैनटेबिल टेनिस - रविज जैन राकेश जैनचेस - डी के जैन, अखिलेश जैनज्ञात हो इस आयोजन में ग्रुप के सदस्य विशेषकर महिलाएं एवं बच्चे (हर उम्र के) भाग लेते हैं एवं पुरस्कार प्राप्त करते हैं ।आयोजन समिति के चेयरमैन इनडोर गेम्स चौधरी संजय जैन ने जानकारी दी कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया की अवधारणा को मूर्त रुप देने की सोशल ग्रुप की यह छोटी सी पहल हैं जो कि अनवरत 3 वर्षों से सतत् जारी है, इस प्रतियोगिता में घरेलू महिलाएं एवं बच्चे भरपूर आनंद उठा पुरस्कार प्राप्त करते हैं प्रफुल्ल जैन,अध्यक्ष,सुरेन्द्र जैन,सचिव, कमल जैन,कोषाध्यक्ष ने ग्रुप के उपस्थित दंपत्ति सदस्यों का आभार प्रकट किया।

चौधरी संजय जैन,चेयरमैन, इनडोर गेम्स ने अंतिम परिणाम निम्नांकित घोषित किए सोशल ग्रुप नगर के दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता 2026 के समस्त परिणाम निम्नांकित हैं।

कैरम (15 वर्ष तक)

विजेता - पाखी पराग जी

उपविजेता- मितांश स्वप्निल जी16 से 30 वर्षतक

विजेता - श्रुति मनीष बडकुल जी उपविजेता -अक्षत राजा जी30 वर्ष से ऊपर महिला वर्गविजेता - श्रीमति चंद्रा संजय चौधरी उपविजेता - श्रीमती संगीता सतेंद्र जी30 वर्ष से ऊपर पुरुष वर्गविजेता- श्री राजेश नीति जैन

उप विजेता - श्री कमल सुनीता जी टेबल टेनिसआरना प्रियांकुश (15 बर्ष तक) विजेता आद्विक प्रियाँकुश उपविजेता श्रेयस शरद (30 वर्ष तक) विजेतावंश विवेक उपविजेता

अतुल ज्योति जी (पुरुष वर्ग) विजेता

शरद शिखा उपविजेता

राष्ट्र गौरव पारस जैन पार्श्वमणि को 'भारत सेवा रत्न सम्मान अवार्ड से दिल्ली में किया जाएगा सम्मानित

कोटा (राज)। देव शास्त्र गुरु के परम भक्त व्यवहार कुशल प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी स्वर्गीय श्री विमलचंद पाटनी धर्मनिष्ठ स्वर्गीय शांति देवी जैन के सुयोग्य सुयोग्य सुपुत्र राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 से सम्मानित, जैन युवा पत्रकार गौरव सर्वश्रेष्ठ संवाद दाता अवार्ड विजेता, राजस्थान सरकार के मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा वर्तमान का श्रवण कुमार की उपाधि से युक्त जैन समाज की अनमोल मणि, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी श्री पारस जैन पार्श्वमणि को दिल्ली में आयोजित होने वाले भारत सेवा रत्न सम्मान-2026 से समाजसेवी एवं प्रतिभावान लोगों की गरिमामय उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। इससे संपूर्ण भारत वर्ष की जैन समाज के हर्ष की लहर व्याप्त हो गई।

ड्डह्लष्ठ॥ह्रू स॥क्र स्ल्द्धञ्जद्ध स्नद्दह्लष्ठञ्जद्धह्ल द्वारा पत्रकारिता एवं मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, निष्पक्ष लेखन और जनजागरण के लिए उन्हें इस सम्मान हेतु चयनित किया गया है। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के ह्ष्ठस्ष्ट ष्टश्ठ्ठ1द्गठ्ठह्लद्बश्ठ्ठ ष्टद्गठ्ठह्लह्द्ग में भव्य राष्ट्रीय सम्मान समारोह होगा। इसमें देशभर के समाजसेवी, शिक्षाविद्, चिकित्सक और विशिष्ट भाग लेंगे। विदित हो कि पारस जैन पार्श्वमणि जी को 26 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विदित हो श्री पारस जैन पारस बड़ी विगत 35 सालों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते हुए आ रहे हैं आपने मेरी भावना संपूर्ण भारतवर्ष की शिक्षण संस्थानों में लागू की जाए एवं प्रार्थना के रूप में बोली जाए मिशन चला रखा है अपने अपने प्रयास से मध्य प्रदेश में 15 लाख मासूम बच्चों को मांसाहारी बनाने की योजना का अपनी पैनी लेखनी से घोर विरोध करके उन बच्चों को मांसाहारी होने से बचाया था। पार्श्वमणि पत्रकार होने के साथ साथ भाव पूर्ण भजनो की शानदार प्रस्तुति भी देते है। आप एक सफल मंच संचालक भी है।

भगवान शांतिनाथ ने संसार को धर्म, अहिंसा, संयम तथा करुणा का संदेश दिया : जिनदेवी माताजी

भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप और मोक्ष कल्याणक मनाया

108 चांदी के कलशों से किया अभिषेक

जयपुर (विश्व परिवार)। सेठी कालोनी जैन मंदिर में हुई धर्म सभा जयपुर - 14 जून - आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्ट शिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ के सानिध्य में सेठी कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में रविवार, 14 जून को जैन धर्म के सोलहवें तीर्थकर भगवान शांतिनाथ के जन्म, तप और मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाए गये।

इस मौके पर चांदी के 108 कलशों से श्री शांतिनाथ भगवान का अभिषेक और शांति धारा की गई। सेठी कालोनी के अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, महामंत्री धर्मीचंद कासलीवाल और राकेश मुशर्रफ ने बताया कि भगवान के अभिषेक के पश्चात पूजा करते हुए भगवान शांतिनाथ के जन्म, तप और मोक्ष कल्याणक अर्घ्य चढाये गये। इस मौके पर मंदिर जी में आयोजित धर्म सभा में माताजी ने अपने प्रवचन में बताया कि भगवान शांतिनाथ जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर हैं। वे जैन परंपरा में अत्यंत पूजनीय माने जाते हैं। भगवान शांतिनाथ का जन्म हस्तिनापुर में राजा विश्वसेन और रानी अचीरा के यहाँ हुआ था। उनका लांछन हिरण है, जो शांति, सौम्यता और अहिंसा का प्रतीक माना जाता है। बचपन से ही वे दयालु, विनम्र और धर्मपरायण थे।

राजसी सुख-सुविधाओं के बीच रहने के बावजूद उनका मन सांसारिक भोगों में नहीं लगा। उन्होंने सत्य और आत्मकल्याण की खोज के लिए राजपाट का त्याग किया और कठोर तपस्या एवं साधना का मार्ग अपनाया। अपनी साधना के बल पर उन्होंने केवलज्ञान प्राप्त किया और संसार को धर्म, अहिंसा, संयम तथा करुणा का संदेश दिया।

धर्म सभा का जिनवाणी स्तुति के साथ समापन हुआ।

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि धर्म सभा के प्रारम्भ में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन के बाद श्रद्धालुओं द्वारा पूजनीया माताजी का पाद पक्षालन किया गया। भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की गई।इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

उपेक्षाओं के कुछ घूँट इतने कड़वे होते हैं कि.. ज़िन्दगी की मिठास तक छीन लेते हैं..! अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद/मिराखेडी दाहोद गुजरात अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज की अहिंसा संस्कार पदयात्रा दिक्षा भुमी परतापुर से पुष्पगिरी की और चल रही है उसी श्रृंखला में आज सुबह मिराखेडी में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि। हर सम्मान के पीछे अपमान, और हर अपेक्षा के पीछे उपेक्षा कहीं न कहीं खड़ी रहती है। प्रेम में द्वेष और मित्रता में शत्रुता का भाव भी छिपा हो सकता है। इसलिए कहा गया है – ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर। जीवन को उन्नत और संतुलित बनाने के लिए हर प्रकार की अति से बचना आवश्यक है। जीवन के आधे से अधिक दुःख, परेशानी और चिंता अत्यधिक अपेक्षाओं के कारण ही उत्पन्न होते हैं। जब जब हमारी अपेक्षाओं की उपेक्षा होती है, तब तब वर्षों से बने रिश्तों के महल दरकने लगते हैं। मन में क्षोभ उत्पन्न होता है, अशान्ति बढ़ती है, और चिंता तथा तनाव हमारे अच्छे-भले जीवन को भी प्रभावित करने लगते हैं।

हमें अपने कद, पद और परिस्थिति के अनुसार ही अपनों से अपेक्षित अपेक्षाओं की अपेक्षा रखनी चाहिए । यदि कभी हमारी अपेक्षाओं की उपेक्षा हो जाए, तो मन को अत्यधिक दुःखी, परेशान या चिंताग्रस्त नहीं होने देना चाहिए। उपेक्षा का मतलब है – नज़रअंदाज़ करना, अवहेलना करना, जानकर अनजान बन जाना, सुनकर अनसुना कर देना आदि ।

ज़िन्दगी में इन पाँच की कभी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए – माता, पिता, गुरु, धर्म और उपकारी व्यक्ति की*। इन्हीं का सम्मान करना जीवन की सबसे बड़ी सफलता है...!!!द्व आज यह अंतर्मना-अहिंसा-संस्कार पदयात्रा दिशा-दाहोद की ओर बढते गुरु चरण परम पूज्य गुरुदेव भारत गोरव विश्व के सर्वश्रेष्ठ तपस्वी उत्तम सिंह निष्क्रिडित व्रतकर्ता अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज जी चतुर्विध संघ का भव्य मंगल पद विहार दिनाँक 14 जून 2026, रविवार सुबह को 5.30 बजे

विनय पार्क, लीमडी जिला-दाहोद गुजरात से मॉडल स्कूल, मीराखेडी स्द्बह्लड्डद्मद्धद्गस्रद्ब, जिला -दाहोद गुजरात 11 किलोमीटर के लिए होगा। नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

परिषद शिक्षा वर्ग में क्षेत्र संगठन मंत्री जितेन्द्र जी पवार का प्रेरणादायी उद्बोधन

दुर्ग (विश्व परिवार)। विश्व हिन्दू परिषद, छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा आयोजित परिषद शिक्षा वर्ग का आयोजन 05 जून से 15 जून 2026 तक अग्रसेन भवन, भिलाई-दुर्ग में सम्पन्न हुआ। वर्ग में प्रांत के विभिन्न जिलों से आए दायित्ववान कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर संगठन, सेवा, सुरक्षा, संस्कार एवं समाज जीवन के विविध आयामों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्ग के दौरान विश्व हिन्दू परिषद मध्य क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री आदरणीय श्री जितेन्द्रजी पवार का अत्यंत प्रेरणादायी एवं चिंतनपरक उद्बोधन प्राप्त हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक परम पूजनीय डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार तथा द्वितीय सरसंघचालक परम पूजनीय श्रीगुरुजी माधव सदाशिवराव गोलवलकर के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन जीवन के अनेक प्रेरक प्रसंगों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि संगठन का कार्य केवल किसी संस्था का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्र जीवन के पुनर्निर्माण की सतत साधना है। डॉ. हेडगेवार एवं श्रीगुरुजी का सम्पूर्ण जीवन त्याग, समर्पण, अनुशासन, संगठन शक्ति और राष्ट्रभक्ति का सजीव उदाहरण है।

बाल्यकाल से राष्ट्रभक्ति और संवेदनशीलता

श्री पवार ने बताया कि बालक माधव (श्रीगुरुजी) के मन में बचपन से ही मातृभूमि के प्रति गहरी श्रद्धा थी। एक बार वे मिट्टी खोद रहे थे, तब उनकी माताजी ने कहा कि यह धरती हमारी माता है, इसे भी कष्ट होता होगा। यह बात उनके हृदय में इतनी गहराई से बैठ गई कि उन्होंने संकल्प लिया कि वे अपनी मातृभूमि को कभी कष्ट नहीं पहुँचने देंगे।

उन्होंने एक अन्य प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1940 में डॉ. हेडगेवार के देहावसान के पश्चात जब डॉ. आबाजी थत्ते से किसी ने कहा कि वे तो डॉ. साहब के दाहिने हाथ थे, तब उन्होंने उत्तर दिया–÷हाँ, मैं उनका दाहिना हाथ था, परन्तु श्रीगुरुजी डॉ. साहब का हृदय थे।÷ यह कथन दोनों महापुरुषों के आत्मीय संबंधों का परिचायक है।

श्रीगुरुजी के एक प्रसिद्ध कथन का उल्लेख करते हुए श्री पवार ने कहा कि डॉ. जी ने मत-मतांतरों के कोलाहल में विलीन हो जाने वाला कोई पिलपिला संगठन हमारे हाथों में नहीं सौंपा है। हमारा संगठन एक अभेद्य किला है। इस पर चंचु प्रहार करने वालों की चोंचें टूट जाएँगी।÷ यह कथन संगठन की शक्ति, आत्मविश्वास और दृढ़ता का प्रतीक है।

श्री पवार ने बताया कि श्रीगुरुजी ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की और 1931 से 1933 तक वहाँ अध्यापन कार्य किया। इसी काल में भैयाजी दाणी के माध्यम से उनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से परिचय हुआ। वर्ष 1932 में उन्हें नागपुर विजयादशमी उत्सव में आमंत्रित किया गया, जहाँ वे डॉ. हेडगेवार के व्यक्तित्व से अत्यंत प्रभावित हुए।

1934 में वे नागपुर शाखा के कार्यवाह बने तथा अकोला संघ शिक्षा वर्ग में सर्वाधिकारी के रूप में दायित्व निभाया। इसी दौरान उनका रामकृष्ण मिशन और स्वामी अखण्डानन्द जी से संपर्क हुआ। 1935 में उन्होंने एल.एल.बी. की शिक्षा पूर्ण की तथा 1936 में सरगाछी आश्रम जाकर स्वामी अखण्डानन्द जी की सेवा में रहे।

13 जनवरी 1937 को उन्हें दीक्षा प्राप्त हुई। दीक्षा के समय स्वामी अखण्डानन्द जी ने कहा अपने सारे गुण तुझे देता हूँ और तेरे सारे अवगुण मैं लेता हूँ।

यह घटना उनके जीवन की आध्यात्मिक दिशा को और अधिक स्पष्ट करने वाली सिद्ध हुई।1938 में उन्होंने अपनी माताजी की अनुमति से संघ कार्य को ही जीवन कार्य के रूप में स्वीकार कर लिया। 1939 में उन्हें कोलकाता भेजा गया, जहाँ उन्होंने एक माह तक पैदल भ्रमण कर संगठन कार्य को गति प्रदान की। 13 अगस्त 1939 को वे सरकार्यवाह बने तथा मात्र दस माह बाद संघ के द्वितीय सरसंघचालक का दायित्व संभाला।

1946 के डायरेक्ट एक्शन के समय श्रीगुरुजी ने निरंतर प्रवास कर हिन्दू समाज का मनोबल बढ़ाया। देश विभाजन की विभीषिका के समय उन्होंने प्रत्येक हिन्दू को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाने का आह्वान किया। 1947 में मुंबई में एक लाख स्वयंसेवकों का विशाल सम्मेलन आयोजित होना था, किंतु सरकारी प्रतिबंधों के कारण इसे चार स्थानों पर सम्पन्न करना पड़ा। यह संगठन की कार्यक्षमता और अनुशासन का अनुपम उदाहरण था।

महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ पर प्रतिबंध लगा। उस समय श्रीगुरुजी ने 13 दिनों तक शाखाएँ बंद रखने का निर्देश दिया। जब कुछ लोगों ने उनके प्रति आक्रोश व्यक्त किया, तब उन्होंने कहा–यदि दाँत गलती से जीभ को काट लें तो क्या दाँत तोड़ दिए जाते हैंयह कथन समाज के प्रति उनकी समरसता और आत्मीयता को दर्शाता है।1 फरवरी 1948 को उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, किन्तु कठिन परिस्थितियों में भी उनका धैर्य और संगठन के प्रति विश्वास अडिग बना रहा।

सप्त दूरदर्शी राष्ट्रचिंतक

श्री पवार ने कहा कि श्रीगुरुजी केवल संगठनकर्ता ही नहीं, अपितु दूरदर्शी राष्ट्रचिंतक भी थे। उन्होंने 1952 में भाषावार प्रांत रचना का विरोध किया। 1955 के गोवा मुक्ति आंदोलन तथा 1947 में कश्मीर के भारत में विलय के संदर्भ में भी संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही।उन्होंने 1959-60 में ही चीन की विस्तारवादी नीति को पहचान लिया था। इंदौर की एक पत्रकार वार्ता में उन्होंने स्पष्ट कहा था कि चीन भारत पर आक्रमण की तैयारी कर रहा है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, सोमवार 15 जून 2026

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 12 साल बेमिसाल के तहत दरभा मंडल के ग्राम चिंगपाल पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव

जगदलपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 12 साल बेमिसाल पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाया जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक श्री किरण देव ने जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के दरभा मंडल के ग्राम चिंगपाल में पहुंच इमली पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। विधायक श्री किरण देव ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व 12 साल के विकास कार्यों के संबंध में ग्रामीणजनों से फीडबैक लिया और जनहित के कार्य पर चर्चा की। जिसमें केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में ग्रामीणजनों से सीधे चर्चा किया। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही श्रीमती पद्मनी पिता महादेव के आवास का विधिवत पूजा अर्चना कर गृहप्रवेश भी कराया । हितग्राही श्रीमती पद्मनी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद किया।

केंद्र सरकार के 12 साल पूर्ण होने पर ग्रामजनों , पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर के दरभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत चिंगपाल पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने स्थानीय ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं लोगों से भेंट मुलाकात कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। साथ ही उनकी समस्याओं से अवगत हुये । चिंगपाल में घर-घर जाकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने जनमानस से सीधे संवाद कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने एवं उनकी बातों को सुनकर उनसे चर्चा किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 12 वर्षों में केंद्र सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य हुआ। उन्होंने कहा कि गरीब , किसान, युवा एवं महिलाओं को ध्यान में रखकर योजनाएं लागू किया गया है। श्री देव ने कहा आज देश के नागरिक अपने सपनों को साकार होते देख रहा है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की ।

कलरव ने पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ सिन्हा को कर्म व एम ए रहीम को कला श्री सम्मान से सम्मानित किया

जगदलपुर --संगीत संस्था कलरव ने बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा का बेहतर पुलिसिंग, विभागीय समन्वय, पब्लिक रिलेशन और 31 मार्च को हुए नक्सल मुक्त बस्तर के लिए कर्म श्री सम्मान प्रदान किया, उक्त अवसर पर श्री सिन्हा ने बस्तर के अपने अनुभव को शानदार बताया और बस्तर की शांति के लिए आई जी बस्तर सुंदर राज पी के योगदान को सर्वोपरि बताया उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन में बस्तर के 3 जिलों का अनुभव बेहतरीन रहा और बस्तर में शांति का वातावरण निर्मित हुआ है उसमें आई जी सर की रणनीति कारगर रही। इसी क्रम में सांस्कृतिक क्षेत्र में दीर्घ अनुभव और योगदान के लिए वरिष्ठ उद्घोषक एम ए रहीम को कला श्री सम्मान दिया गया मौके पर उनकी पत्नी नसरीन मुद्रवी भी मौजूद रहीं। श्री रहीम 5 दशक से बस्तर के कला क्षेत्र की धुरी बने हुए हैं उनके अनुभव का लाभ आकाशवाणी और दूरदर्शन ने सेवा निवृति के बाद लगातार 18 साल लिया इसी से उनकी निष्ठा, ऊर्जा और रूचि का पता चलता है। आज इस अवसर पर एम आई सी के संग्राम सिंह राणा, रणजीत गौतम, निशांत मिश्रा और कलरव एडमिन अफ़ज़ल अली उपस्थित थे।

50वें रक्तदान पर राजभवन में सम्मानित हुए आरक्षक अखिलेश वैष्णव, मानवता की मिसाल बने खाकी के सिपाही

विश्व रक्तदान दिवस पर मिला राज्यपाल सम्मान, गरियाबंद जिले का बढ़ाया गौरव

गरियाबंद (विश्व परिवार)। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर गरियाबंद पुलिस विभाग के आरक्षक अखिलेश वैष्णव को उनकी उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए राजभवन में आयोजित गरिमामय समारोह में महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 50वां रक्तदान पूर्ण करने तथा निरंतर नि:स्वार्थ रक्तदान सेवा के लिए प्रदान किया गया।

गरियाबंद जिले के थाना छुरा में पदस्थ आरक्षक अखिलेश वैष्णव ने पुलिस कर्तव्यों के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का भी शानदार निर्वहन किया है। उन्होंने अब तक अनेक जरूरतमंद मरीजों, दुर्घटना पीड़ितों और आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने के लिए स्वेच्छा से रक्तदान किया है। उनकी सेवा भावना ने उन्हें समाज में मानवता का सच्चा प्रहरी बना दिया है।

रक्तदान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और समर्पण को देखते हुए राज्यपाल ने उन्हें सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि पूरे गरियाबंद जिले और पुलिस विभाग के लिए गौरव का विषय है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने अखिलेश वैष्णव को बधाई देते हुए कहा कि उनका सम्मान पूरे गरियाबंद पुलिस परिवार के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि अखिलेश ने यह साबित कर दिया है कि खाकी वर्दी केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा में भी सदैव अग्रणी रहती है।

लगातार 50 बार रक्तदान कर अखिलेश वैष्णव ने समाज के सामने सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका यह कार्य युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की प्रेरणा देता है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तवीरों ने दिखाई मानवता की मिसाल

89 यूनिट रक्त संग्रहित, रक्तदाताओं का किया गया सम्मान

जगदलपुर/ विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी शाखा जिला बस्तर एवं आईपीएस वाइफ्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को महारानी अस्पताल, जगदलपुर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया।

महारानी अस्पताल में आयोजित शिविर में विधायक श्री किरण सिंह देव, महापौर श्री संजय पांडे, सहित अन्य जनप्रतिनिधि की उपस्थिति रही। महापौर श्री संजय पांडे ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मरीजों, विशेषकर थैलेसीमिया, सिकलसेल और गंभीर एनीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था। सुबह 10 बजे प्रारंभ हुए शिविर में पहले घंटे में ही 40 से अधिक पुलिस जवानों ने पंजीयन कराकर रक्तदान किया। दिनभर चले शिविर में कुल 89 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जबकि चिकित्सकीय जांच में अयोग्य पाए जाने के कारण 43 इच्छुक रक्तदाताओं का रक्त नहीं लिया जा सका। शिविर में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। महिलाओं ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर सक्रिय रक्तदाताओं का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम में आईजी श्री सुंदरराज पी., कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, सीएमएचओ डॉ. संजय बसाक, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री, सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद, रेडक्रॉस उपाध्यक्ष श्री अलेक्जेंडर चेरियन, जिला कोषाध्यक्ष श्री ऋषि भटनागर सहित रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारी, चिकित्सक एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

महारानी अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने रक्तदान की पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई। रक्तदान से पूर्व प्रत्येक दाता के वजन, हीमोग्लोबिन स्तर एवं रक्तचाप की जांच की गई। चिकित्सकीय रूप से पूर्णत: स्वस्थ पाए जाने पर ही रक्तदान की अनुमति दी गई।रक्तदान के पश्चात सभी रक्तदाताओं को ओआरएस घोल, फल एवं अल्पाहार प्रदान किया गया। रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से सभी रक्तदाताओं को उनकी असाधारण सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के जीवन को बचा सकता है।

नन्हे बल्ले का बड़ा कमाल - 13 साल के आरव राज ने रचा इतिहास

आज के दौर में जहां अधिकांश किशोर मोबाइल और स्क्रीन की दुनिया में गुम हैं वहीं छत्तीसगढ़ के साढ़े 13 वर्षीय आरव राज ने अपने जुनून, परिश्रम और अनुशासन से ऐसा कीर्तिमान रचा है जो हर युवा को प्रेरित कर सकता है। कम उम्र में क्रिकेट के मैदान में उनकी उपलब्धि न सिर्फ चौंकाती है बल्कि यह भी साबित करती है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और लगन सच्ची हो तो किसी भी उम्र में चमत्कार दिखाई जा सकती है। आरव राज, एक राइट हैंड बैट्समैन,जिसने 24 दिसंबर 2017 को महज 5 साल की उम्र में पहला लेदर बॉल क्रिकेट मैच खेला था। वही छोटी सी शुरुआत आज एक बड़ी उपलब्धि बन कर सामने आई है। पिछले साढ़े आठ वर्षों में आरव ने लगातार अभ्यास, धैर्य और मैचों के जरिए अपनी प्रतिभा को माँजने का किया और 2026 तक 352 इनिंग्स में 10,143 रन बनाकर इतिहास रच दिया है। आरव राज की यह उपलब्धि अपने आप में बेहद खास है क्योंकि इतनी कम उम्र में 10,000 से अधिक रन बनाना किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक मुश्किल लक्ष्य है। इस कीर्तिमान के साथ आरव राज छत्तीसगढ़ के पहले ऐसे क्रिकेटर बन गए हैं जो मात्र साढ़े 13 साल की उम्र में ही इस बड़े आँकड़े को लांघने मे सफल हुए है। उनके इस जबरदस्त प्रदर्शन में 24 शानदार शतक और 52 अर्धशतक शामिल हैं जो उनके अभ्यास,निरंतरता और बल्लेबाजी कौशल को दर्शाते हैं।

बस्तर आम महोत्सव 2026 : वैश्विक पटल पर चमकेगा बस्तर के आमों का अनूठा स्वाद

मैंगो महोत्सव 2.0' को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की तैयारी

कलेक्टर ने किसानों और आम के प्रसंस्कृत उत्पादों की स्टॉल लगाने वाले प्रतिभागियों को किया सम्मानित

जगदलपुर/ बस्तर अंचल की समृद्ध जैव-विविधता और अद्वितीय कृषि संपदा को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जगदलपुर के क्रांतिकारी डेबरीधुर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र परिसर में दो दिवसीय भव्य 'बस्तर आम महोत्सव 2026' का गरिमय आयोजन संपन्न हुआ। इस महोत्सव ने न केवल क्षेत्र के पारंपरिक और हाइब्रिड आमों के अनूठे संसार को प्रदर्शित किया, बल्कि स्थानीय किसानों और युवाओं के हुनर को भी एक नई पहचान दी। महोत्सव के समापन सत्र के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने वहां लगाई गई प्रदर्शनी का आत्मीयता से अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में शामिल आम की विविध और दुर्लभ प्रजातियों को बेहद रुचि के साथ देखा और बस्तर की इस समृद्ध प्राकृतिक विविधता की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं द्वारा आम से तैयार किए गए विभिन्न मूल्य वर्धित उत्पादों की गुणवत्ता को भी सराहा और इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक बेहतरीन प्रयास बताया। समापन समारोह के दौरान उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता किसानों और आम के प्रसंस्कृत उत्पादों जैसे अचार, अमचूर, पना और मैंगो पल्प की स्टॉल लगाने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

?इस सफल आयोजन के बीच प्रशासन ने भविष्य की एक और बड़ी कार्ययोजना की नींव रख दी है। पहले संस्करण की शानदार सफलता के बाद अब बस्तर में मैंगो महोत्सव 2.0 के दूसरे संस्करण की भव्य तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर द्वारा इस महोत्सव को आने वाले समय में एक 'राष्ट्रीय महोत्सव' के रूप में स्थापित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि बस्तर को आम के क्षेत्र में देश-दुनिया में एक प्रमुख और विशिष्ट स्थान दिलाया जा सके। इस आगामी राष्ट्रीय स्तर के आयोजन को लेकर पूरी टीम बेहद सक्रिय है और सभी आवश्यक पहलुओं को सुनिश्चित करने में जुटी है, जहां देश भर के आम उत्पादक किसान, उपभोक्ता, व्यापारी, खरीदार और विक्रेता एक ही मंच पर एकत्रित होंगे।

?अपने उद्बोधन में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने कृषि में स्थिरता, स्वास्थ्य और जैविक प्रमाणन के महत्व पर विशेष जोर दिया। पंजाब और राजस्थान के कुछ क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि दूसरी हरित क्रांति के दौरान रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं और कैंसर जैसी बीमारियां तेजी से फैली हैं, जिससे सबक लेते हुए आज के समय में रसायन-मुक्त और प्राकृतिक खेती की सख्त जरूरत महसूस हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि बस्तर में प्राकृतिक और जैविक खेती की अपार संभावनाएं हैं, जिसके लिए हमें कृषि में आधुनिक तकनीकों, जैव-कीटनाशकों और 'श्री विधि' जैसी उन्नत प्रणालियों को अपनाना होगा ताकि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों को पूरी तरह सुरक्षित रखा जा सके। ?स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के संदर्भ में कलेक्टर श्री छिकारा ने किसान उत्पादक संगठनों की स्थापना और उनके सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया। उनका मानना है कि जब कृषक किसान उत्पादक संगठनों के रूप में संगठित होकर बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करेंगे, तभी बड़े खरीदार और निर्यातक सीधे बस्तर की ओर आकर्षित होंगे। बस्तर के आमों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए उन्होंने दूरगामी रणनीति साझा करते हुए कहा कि केवल पारंपरिक फसलों पर निर्भर न रहकर आम जैसी बागवानी फसलों और पशुपालन को एकीकृत कृषि प्रणाली के तहत जोड़कर फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना होगा। इसके साथ ही उत्पादों को रासायनिक-मुक्त प्रमाणित कर उनकी विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए जैविक प्रमाणन बेहद जरूरी है, जिसके बाद प्रभावी ब्रांडिंग और विपणन के जरिए बस्तर के इस अनूठे स्वाद को देश के बड़े शहरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जा सकता है। यह दो दिवसीय महोत्सव बस्तर के कृषि इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ है, जो स्थानीय किसानों को पारंपरिक पद्धतियों के साथ आधुनिक और सुरक्षित तकनीकों के समन्वय से आर्थिक रूप से सशक्त होने की एक नई राह दिखाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गणेश नाग सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान, वैज्ञानिक और महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे।

गरियाबंद में किरायेदार सत्यापन अभियानः 6 पुलिस टीमों ने 105 घरों की सघन जांच की

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय गरियाबंद में बाहरी क्षेत्रों से आकर किराये के मकानों में निवास करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने किरायेदार सत्यापन अभियान तेज कर दिया है। नगर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर सत्यापन कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर (भा.पु.से.) के निर्देश पर थाना सिटी कोतवाली गरियाबंद क्षेत्र के ग्राम दर्रापारा (केशोडार) में रविवार को विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पुलिस की 6 टीमों ने घर-घर पहुंचकर प्रत्येक मकान में निवासरत लोगों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान मकान मालिकों से पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में किरायेदारों की जानकारी भी प्राप्त की गई। एक ही दिन में पुलिस टीमों ने कुल 105 घरों की सघन जांच की। सत्यापन के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई तथा उनके मूल निवास स्थान के संबंधित थानों से पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी भी मंगाई जा रही है। अभियान के दौरान मकान स्वामियों को समाधान एप के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने एप की उपयोगिता बताते हुए मकान मालिकों को किरायेदार सत्यापन की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने कहा कि जिले में किरायेदार सत्यापन और संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी के लिए इस प्रकार की सघन जांच आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे अपने किरायेदारों का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराकर पुलिस प्रशासन को सहयोग दें, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, सोमवार 15 जून 2026

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व है। जब अमावस्या तिथि सोमवार को पड़ती है, तब सोमवती अमावस्या का संयोग बनता है। साल 2026 की पहली सोमवती अमावस्या अधिक मास में पड़ रही है, जिसके कारण इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती और पितरों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अमावस्या तिथि पर पवित्र नदी में स्नान करने और दान करने का खास महत्व है। मान्यता है कि इस दिन स्नान, जप-तप और दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। जानें सोमवती अमावस्या कब है।

सोमवती अमावस्या 2026 कब है:

पंचांग के अनुसार, अधिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 14 जून 2026, रविवार को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगी और समाप्त 15 जून 2026, सोमवार को सुबह 08 बजकर 24 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि मान्य होने के कारण सोमवती अमावस्या का व्रत 15 जून 2026 को रखा जाएगा। पितृ कार्य के लिए 14 जून का दिन उत्तम रहने वाला है।

सोमवती अमावस्या स्नान-दान का समय 2026:

सोमवती अमावस्या के लिए स्नान-दान का ब्रह्म मुहूर्त 14 जून को सुबह 04 बजकर 04 मिनट से सुबह 04 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। अमृत काल दोपहर 03 बजकर 56 मिनट से शाम 05 बजकर 20 मिनट तक रहेगा।

सोमवती अमावस्या का महत्व:

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या शुभ फल प्रदान करने वाली तिथि मानी जाती है। मान्यता है कि इस दिन पीपल के वृक्ष की पूजा और परिक्रमा करने से जीवन में सुख-शांति के साथ समृद्धि आती है। भगवान शिव की कृपा से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से जातक को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है। पितरों की कृपा पाने के लिए यह दिन अत्यंत उत्तम माना जाता है। अमावस्या तिथि पर श्राद्ध, तर्पण और पितृ कर्म करने से पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे परिवार में खुशहाली आती है।

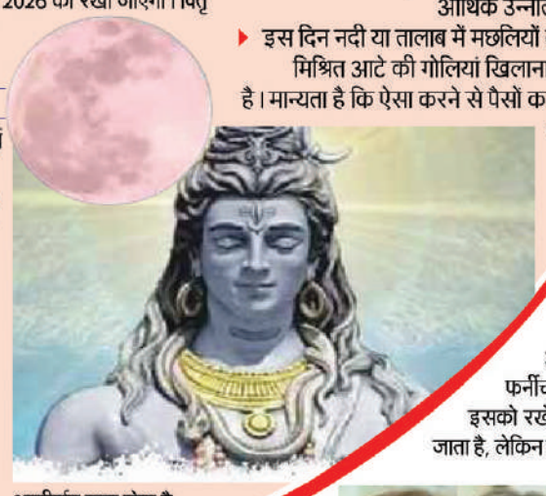

सोमवती अमावस्या पर धन लाभ के उपाय-

- सोमवती अमावस्या की शाम मां लक्ष्मी की पूजा के समय उन्हें पीली कौड़ियां अर्पित करें। अगर पीली कौड़ियां मिलना संभव नहीं है, तो सफेद कौड़ी में हल्दी लगाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। रात भर पूजा स्थल पर रहने दें, उसके बाद सुबह स्नान आदि करने के बाद लाल रंग के कपड़े में बांधकर धन या तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- अमावस्या के दिन शाम के समय पीपल के पेड़ पर सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धन से जुड़ी परेशानी खत्म होती है और आर्थिक उन्नति मिलती है।
- इस दिन नदी या तालाब में मछलियों को शक्कर मिश्रित आटे की गोलियां खिलाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पैसों का आगमन होता है।

झाइंग रूम फर्नीचर वास्तु टिप्स

झाइंगरूम घर का सबसे अहम भाग माना जाता है. यहां परिवार के सदस्य एक साथ बैठते हैं और समय बिताते हैं. यहां मेहमानों का स्वागत किया जाता है. ऐसे में झाइंगरूम में सजावट और फर्नीचर की सही दिशा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि वास्तु शास्त्र में ये कहा गया है कि घर में सकारात्मक प्रवाह बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि झाइंगरूम में फर्नीचर की सही दिशा का ध्यान रखा जाए. वास्तु के अनुसार, झाइंगरूम में फर्नीचर सही दिशा में रखने से घर में सकारात्मक उर्जा का प्रवाह तो बना ही रहता है. साथ में घर का वातावरण भी संतुलित और सुकून भरा रहता है. ऐसे में आइए वास्तु के अनुसार, जानते हैं फर्नीचर को रखने की सही दिशा.

झाइंगरूम में दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें फर्नीचर

वास्तु के अनुसार, झाइंगरूम में सोफा सेट या भारी फर्नीचर दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें. ये दिशा फर्नीचर रखने के लिए बहुत उपयुक्त मानी जाती है. इस दिशा में फर्नीचर को दीवार से सटाकर रखें. ऐसा करने से घर में स्थिरता आती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है. इससे परिवार के सदस्यों का जीवन अच्छा होता है.

इस दिशा का भी है विकल्प

अगर किसी कारण से दक्षिण-पश्चिम दिशा में फर्नीचर नहीं रख सकते हैं, तो उत्तर या पूर्व दिशा में इसको रखें. इन दिशाओं में फर्नीचर रखना सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी बातों ध्यान अवश्य रखें.

दूरी का रखें विशेष ध्यान

उत्तर या पूर्व दिशा में फर्नीचर रखते समय इसे दीवार से कम से कम 6 से 8 इंच दूरी पर रखें. ऐसा करने से ऊर्जा का प्रवाह सही रहता है. किसी प्रकार का वास्तु दोष नहीं लगता.

मिलता है ये लाभ

झाइंगरूम में फर्नीचर सही दिशा और संतुलन के साथ रखने पर घर में शांति, सुख और समृद्धि बनी रहती है. घर का महौल बेहतर होता है. परिवार के सदस्यों के जीवन में सकारात्मकता आती है.

फेस शेप कैसे पहचानें?

सबसे पहले ये जान लीजिए कि अपना फेस शेप आपको कैसे पहचानना है। फेस शेप जानने के लिए शीशे के आगे खड़े हो जाइये और एक स्केच या मार्कर पेन लीजिए। बालों को जूड़ा बनाकर पीछे बांध लें। अब फेस शेप को सामने देखते हुए मार्कर से राउंड, ओवल या जो भी शेप वैसे ही ड्रॉ करें। जैसा भी बना पाएंगी वही आपका सही शेप होगा।

अब इन कॉमन फेस शेप्स से मैच करें-

ओवल- लंबा चेहरा, हल्का कर्व
राउंड- बराबर चौड़ाई और लंबाई, गोल शेप
स्क्वायर- चौड़ा माथा और मजबूत जॉलाइन
हार्ट- चौड़ा माथा, पतली चिन
डायमंड- गाल चौड़े, माथा और चिन पतला।

फेस कट के हिसाब से कैसी हो आइब्रो?

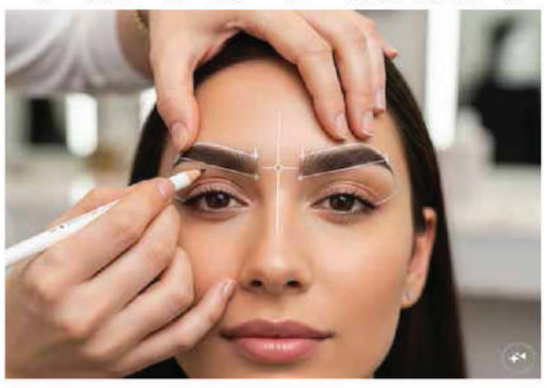

चेहरे की खूबसूरती में आइब्रो का बहुत बड़ा रोल होता है, लेकिन अक्सर लड़कियां इस बात को लेकर कंफ्यूज रहती हैं कि उनकी आइब्रो पतली होनी चाहिए या मोटी। सही आइब्रो शेप न सिर्फ आपके फीचर्स को बैलेंस करता है, बल्कि पूरे लुक को भी निखार देता है। ज्यादा महिलाएं थ्रेडिंग कराते समय कहती हैं कि ज्यादा पतली न करना लेकिन कई बार पतली आइब्रो भी आपके फेस पर अच्छी लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आपको अपना सही फेस कट पता हो और उसी हिसाब से सही आइब्रो चुनें, जिससे आपकी नेचुरल ब्यूटी और भी उभरकर सामने आए। चलिए आपको बताते हैं फेस शेप के हिसाब से कैसी आइब्रो होनी चाहिए?

आइब्रो कौन सी होगी परफेक्ट?

गोल चेहरे के लिए- गोल चेहरा है और आपको बोल्ड-शार्प आइब्रो चाहिए। धनुष के आकार में आइब्रो बनवाएं। इसका मतलब है आइब्रो को बीच से अपलिफ्ट करवाएं, इससे बोल्ड और फेस लुक टॉल दिखेगा।

ओवल चेहरे के लिए- ओवल शेप पहले से ही बैलेंस और शार्प दिखता है, तो आपको आइब्रो को नेचुरल रखना है और हल्का सा आर्च देना है। इसमें आइब्रो घनी रखनी है।

हार्ट शेप फेस- आपका फेस हार्ट शेप में है, तो आइब्रो गोल शेप में बनवाएं। ये आइब्रो सिंपल लगती है लेकिन हार्ट शेप फेस पर अच्छी लगेगी। इसमें आपको आइब्रो पतली नहीं रखनी है बल्कि थोड़ी मोटी और घनी रखें।

स्क्वॉयर फेस शेप- चौकोर फेस को लंबा दिखाने के लिए आइब्रो खास रोल निभाती है। आइब्रो परफेक्ट हो तो चेहरा लंबा दिखने का भ्रम पैदा होता है। इसके लिए आपको आइब्रो बनवानी है और इसमें बीच में हल्का सा झुकाव देते हुए आइब्रो बोन के ऊपर हल्का सा उभार दें।

खुद के अंदर ले आएं ये चेंज

आज के समय में सिर्फ अच्छी डिग्री या स्किल्स ही काफी नहीं हैं, बल्कि आपकी पर्सनालिटी भी उतनी ही मायने रखती है. आप कैसे बोलते हैं, कैसे पेश आते हैं और लोगों के सामने खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं...ये सारी चीजें मिलकर आपको एक अलग पहचान देती है. कई बार हम देखते हैं किसी व्यक्ति को हर तरफ तारीफ मिल रही होती है. वहीं कुछ लोग अच्छे होकर भी लोगों को पसंद नहीं आते हैं. पर्सनैलिटी अट्रैक्टिव होना बहुत जरूरी है. यही वजह है कि कुछ लोग पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट का कोर्स तक रखते हैं. वैसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोई मुश्किल काम नहीं है. इसके लिए आपको किसी एक्सपर्ट की भी जरूरत नहीं है. बस अपने अंदर कुछ आदतों को बदल कर और कुछ खुद में कुछ चेंजेस लागकर आप अपनी पर्सनैलिटी को भी बेहतर बना सकते हैं. इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स देने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप खुद में अच्छे चेंज ला सकते हैं और हर तारीफ पा सकते हैं.

पॉजिटिव सोच अपनाएं

पॉजिटिविटी हर किसी को पसंद होती है और ये सबसे बड़ी ताकत भी होती है. जब सोच पॉजिटिव रहती है तो ऐसे लोग हर सीच्युशन में पॉजिटिव ही रहते हैं. ऐसे लोग हर जगह पसंद किए जाते हैं क्योंकि इनके साथ रहने से ही माहौल सकारात्मक बना रहता है.

बोलने से पहले सोचें

कम बोलना या ज्यादा बोलना मैटर नहीं करता है. मेटर करता है सोच कर और अच्छा बोलना. अगर आप कम बोलते हैं या फिर ज्यादा बोलते हैं तो अपने अंदर ये चेंज जरूर लाएं कि, जितना भी बोले अच्छा और सही बोलें. क्योंकि बातों में विनम्रता और समझदारी झलकनी जरूरी है. जब आप अच्छा और सोच-समझकर बोलते हैं लोग आपकी बातों को सुनते हैं और आपको सीरियसली लेते हैं. ऐसे में आपकी इज्जत भी बढ़ जाती है.

दूसरों की बात ध्यान से सुनें

कुछ लोगों में आदत होती है कि वो खुद को बोल लेते हैं. लेकिन दूसरों की सुनते नहीं है. ऐसे लोगों को कई जगह पर पसंद नहीं किया जाता है. इसलिए खुद में ये बदलाव जरूर लाएं कि, बोलने के बाद सामने वाले की बात सुनना भी सीखें.

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा आपकी राशि के द्वितीय भाव में विराजमान है. करियर में आर्थिक फैसलों को लेकर थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है. बिजनेस में कोई भी बड़ा निवेश करने से पहले अनुभवी व्यक्तियों से सलाह जरूर लें. लव लाइफ में साथी के साथ विचारों का तालमेल बिठाना जरूरी होगा, छोटी बातों पर बहस से बचें.

वृषभ राशि - आपके लिए आज का दिन महत्वपूर्ण उपलब्धियों वाला रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के प्रथम भाव में स्थित है. करियर में आपके व्यक्तित्व का प्रभाव बढ़ेगा और आप कार्यक्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित रहेंगे. बिजनेस में लाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे.

मिथुन राशि - करियर में काम का दबाव बढ़ सकता है, इसलिए कार्यों को व्यवस्थित करने का प्रयास करें. बिजनेस में धन के लेन-देन में सतर्कता बरतें और फालतू के खर्चों पर लगाम लगाएं. लव लाइफ में साथी के साथ स्पष्ट संवाद बनाए रखना ही समझदारी होगी. स्वास्थ्य में अनिद्रा या मानसिक थकान की समस्या हो सकती है, भरपूर विश्राम करें.

कर्क राशि - आपकी मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी. बिजनेस में अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग हैं. लव लाइफ में साथी के साथ बेहतरीन समय व्यतीत करेंगे और आप भविष्य की सुखद योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं.

सिंह राशि - बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और व्यापारिक सौदों में आपको अच्छा लाभ मिलेगा. लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम और गहरा होगा. स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा. कल कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार के रूप में बनेगी.

कन्या राशि - करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और आपके रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे. बिजनेस में कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा. लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा होगा. स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का संचार बना रहेगा. कल आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में रुचि ले सकते हैं.

तुला राशि- बिजनेस में अभी किसी भी प्रकार के बड़े निवेश को टालना ही बेहतर होगा. लव लाइफ में साथी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, उनका ध्यान रखें. स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें और हल्का भोजन लें. कल आपको धैर्य रखने की बहुत अधिक आवश्यकता है. शांत रहकर ही आप मुश्किलों को पार कर पाएंगे. विवादों से दूर रहना आपके हित में रहेगा.

वृश्चिक राशि - साझेदारी वाले कार्यों से लाभ मिलने की संभावना है. बिजनेस में अपने प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखें और योजनाबद्ध तरीके से काम करें. लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे. स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित खान-पान का ध्यान रखें. कल आप अपने कार्यों के प्रति काफी सजग रहेंगे.

धनु राशि- चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में स्थित है. यह स्थान रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने में मददगार साबित होगा. करियर में पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और आपके विरोधी शांत रहेंगे. बिजनेस में लाभ की अच्छी स्थिति बनी रहेगी. लव लाइफ में साथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे की बातों को बेहतर समझेंगे.

मकर राशि - आपके रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी और आप अपने काम में निखार ला पाएंगे. बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं. लव लाइफ में साथी के साथ हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन प्रेम बना रहेगा. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. कल आपको अपने बच्चों की शिक्षा या भविष्य से जुड़ी किसी बात पर ध्यान देने की आवश्यकता पड़ सकती है.

कुंभ राशि- चंद्रमा आपकी राशि के चतुर्थ भाव में विराजमान है. करियर में घर-परिवार की समस्याओं के कारण कार्यस्थल पर ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत आ सकती है. बिजनेस में सावधानी से काम लें और कोई बड़ा फैसला न लें. लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा धैर्य की जरूरत होगी. स्वास्थ्य में माता-पिता की सेहत का विशेष ध्यान रखें.

मीन राशि- आपके साहस और मेहनत की सराहना होगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा. बिजनेस में नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे. लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ता और भी अधिक गहरा होगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आप पूरी तरह से ऊर्जावान महसूस करेंगे. कल आप किसी पुराने मित्र से मिल सकते हैं, जिससे मन बहुत प्रसन्न होगा.

गर्मी में अंजीर खाना कैसा है?

गर्मियां आते ही लोग अपनी डाइट में बदलाव करना शुरू कर देते हैं. इस मौसम में शरीर जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है. डाइजेशन भी सेंसिटिव होता है, जिससे पेट खराब होने का खतरा ज्यादा रहता है. ऐसे में कई लोग गर्म तासीर वाली चीजें भी खाने से बचते हैं. जिसमें सूखे मेवे भी शामिल हैं. खासतौर पर अंजीर को लेकर लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि क्या इसे गर्मियों में खाना फायदेमंद है?

अंजीर एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. लेकिन इसकी तासीर गर्म होने की वजह से गर्मियों में लोग इसे खाने से बचते हैं. अगर आपके मन में भी कंफ्यूजन है कि अंजीर को गर्मियों में खाना चाहिए या नहीं तो ये आर्टिकल आपके लिए है. इस आर्टिकल में जानेंगे कि गर्मी में अंजीर खानी चाहिए या नहीं. अगर हां, तो इसे खाने का सही तरीका क्या है.

पोषक तत्वों से भरपूर अंजीर

अंजीर पोषक तत्वों का खजाना है. इसमें फाइबर, विटामिन, मिनिरल् और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. इसके अलावा ये आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम का भी अच्छा सोर्स है. इसे खाने से न सिर्फ पेट लंबे समय तक भरा रहता है. बल्कि ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है. सर्दियों में ये शरीर को गर्म रखने में भी मददगार है. चलिए जानते हैं गर्मियों में इसका सेवन कैसा है?

जयपुर की क्लिनिकल आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता बताती हैं कि भले ही अंजीर की तासीर गर्म हो. लेकिन गर्मियों में भी इसका सेवन फायदेमंद होता है. भले इसे खाने के तरीके में बदलाव करना जरूरी है. सर्दी में आप अंजीर का जहां ऐसे ही खा सकते हैं. वहीं गर्मियों में इसे खाने के लिए आपको पहले अंजीर को रातभर के लिए पानी में भिगोना होगा. इससे अंजीर की गर्म तासीर बदल जाती है और गर्म होने के बाद भी ये शरीर को फायदे देती है. अंजीर के फायदों की बात करें तो ये शरीर के लिए रामबाण से कम नहीं है. इसे खाने से वजन कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है. दरअसल, इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो पेट को भरा रखता है और क्रेविंग को कंट्रोल करने में भी मदद करता है. गर्मियों में सुस्ती आना बहुत आम बात है. दिन भर आपको थका-थका महसूस होता है. ऐसे में अगर आप रोज सुबह भीगी हुई अंजीर खाते हैं तो इससे आपको पूरा दिन एनर्जी मिलती है. दरअसल, अंजीर में मौजूद नेचुरल शुगर, मिनिरल्स और विटामिन बी शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देने में मददगार है. अंजीर खाने से स्किन की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी, ई पाया जाता है. जो स्किन के लिए बेहद जरूरी न्यूट्रिशन हैं. इसे खाने से स्किन ग्लोइंग बनती है. ड्राईनेस कम होती है और त्वचा को सन डैमेज से भी प्रोटेक्ट करती है.

दिमाग को शांत और फोकस्ड बना सकते हैं योगासन

अगर आपका मन किसी काम में नहीं लग रहा, तो ये बात बिल्कुल आम है. आजकल स्ट्रेस और ज्यादा सोचने की वजह से ध्यान भटकना आम बात हो गई है. लेकिन अच्छी बात ये है कि कुछ आसान योगासन करके आप अपने दिमाग को शांत और फोकस्ड बना सकते हैं. चलिए जानते हैं उनके बारे में.

पद्मासन फोकस बढ़ाने के लिए सबसे आसान और असरदार योगासान में से एक है. इसमें आपको आराम से पैर क्रॉस करके बैठना होता है. फिर धीरे-धीरे गहरी सांस लें. इससे दिमाग शांत होता है और बेवजह के विचार कम होने लगते हैं, जिससे ध्यान लगाना आसान हो जाता है.

वृक्षासन भी फोकस बढ़ाने में असरदार होता है. इसमें एक पैर पर खड़े होकर बैलेंस बनाना होता है. जब आप बैलेंस बनाने की कोशिश करते हैं, तो आपका पूरा ध्यान उसी पर रहता है. इससे ही फोकस और धैर्य दोनों बढ़ते हैं.

फोकस बढ़ाने के लिए आप भ्रमारि प्राणायाम योगासन भी कर सकते हैं. इसमें सांस लेते और छोड़ते समय "भिन-भिन" जैसी आवाज निकालते हैं. यह दिमाग को तुरंत रिलैक्स करता है और तनाव कम करता है, जिससे ध्यान लगना आसान हो जाता है.

बालासन करने के लिए आपको शरीर को आगे झुकाकर आराम की स्थिति में आना होता है. यह पोज़ दिमाग को आराम देता है और थकान दूर करता है, जिससे आप फिर से फोकस कर पाते हैं. इसमें किसी एक चीज (जैसे दीपक की लौ) को बिना पलक झपकाए देखना होता है. ये फोकस बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा असरदार योगासन है. इससे आंखें और दिमाग दोनों मजबूत होते हैं और ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है. ताड़ासन करने भी आप अपने फोकस को बढ़ा सकते हैं. सीधे खड़े होकर शरीर को स्ट्रेच करना ही ताड़ासन है. यह आसान सा दिखता है, लेकिन इससे शरीर और दिमाग दोनों स्थिर होते हैं और आप ज्यादा क्लियर सोच पाते हैं.

गर्मियों के मौसम में खाएं खीरा

लगभग हर घर में खीरे का इस्तेमाल सलाद के रूप किया जाता है, जो हेल्थ के लिए अच्छा भी है। लेकिन कई बार हम बिना सोचे-समझे इसे हर चीज के साथ खा लेते हैं, जिससे स्वाद तो बिगड़ता ही है, साथ में पाचन से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियां भी हो सकती हैं। सही तरीके से खाया जाए तो खीरा बहुत फायदेमंद है, लेकिन गलत कॉम्बिनेशन इसका मजा खराब कर सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि ये जान लें कि किन चीजों के साथ खीरा नहीं खाना चाहिए, ताकि आपका जायका भी ना बिगड़े और पेट से जुड़ी समस्या भी ना हों।

खीरा और दही का कॉम्बिनेशन कई जगह पर इस्तेमाल होता है, लेकिन इन दोनों की जोड़ी कई बार परेशानी में डाल सकती है। खीरे में पानी बहुत ज्यादा होता है, जिससे दही पतली हो सकती है और उसका क्रीमी टेक्सचर खराब हो सकता है। इससे खाने का मजा कम हो जाता है। इसके अलावा हेल्थ के लिहाज से भी देखें तो ये पाचन संबंधी परेशानियों को जन्म दे सकता है।

मीट और खीरा साथ खाने से कभी-कभी पाचन से जुड़ी प्रॉब्लम हो सकती है। मीट में प्रोटीन ज्यादा होता है और उसे पचने में समय लगता है, जबकि खीरा हल्का और पानी से भरपूर होता है और जल्दी पच जाता है। इस अंतर की वजह से पेट में भारीपन या एसिडिटी की प्रॉब्लम हो सकती है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 15 जून 2026

रायपुर पश्चिम को 1.20 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, सांसद एवं विधायक ने किया 'महतारी सदन' व 'महिला योग भवन' का लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के विप्र नगर (रायपुरा) में आज अधोसंरचना विकास और सामाजिक सरोकार के अंतर्संबंध का एक अनूठा ऐतिहासिक उदाहरण देखने को मिला। रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेश मूणत के विजन से कुल ?1 करोड़ 20 लाख (?120 लाख) की संचयी लागत से निर्मित 'महतारी सदन' एवं 'महिला योग भवन व जुंबा सेंटर' का भव्य लोकार्पण आधिकारिक तौर पर संपन्न हुआ।

इस उच्च-स्तरीय लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक श्री राजेश मूणत ने की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक व पूर्व सांसद श्री सुनील सोनी, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं नगर निगम के सभापति श्री सूर्यकांत राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मड़ा जनसैलाब :- कार्यक्रम में रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी मंडलों के अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, सभी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, व मंडल के महामंत्री सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं के गगनभेदी नारों और भारी उत्साह ने पूरे रायपुरा क्षेत्र को उत्सव के माहौल में बदल दिया।

प्रशासनिक एवं जन-प्रतिनिधित्व सुदृढ़ता को दर्शाते हुए कार्यक्रम में स्थानीय पार्षदों एवं जोन पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य रूप से पार्षद श्री दीपक जायसवाल, पार्षद श्रीमती सरिता आकाश दुबे, पार्षद श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, जोन अध्यक्ष श्री प्रीतम ठाकुर, पार्षद श्री अर्जुन यादव एवं पार्षद श्री महेंद्र औसर शामिल थे।

परियोजना का वित्तीय एवं कार्यात्मक विवरण :- ?महतारी सदन (लागत: ?80 लाख): इस संकुल के अंतर्गत समाज के आर्थिक रूप से कमजोर (कम आय वर्ग) और मध्यम वर्गीय परिवारों के नौनिहालों के लिए कॉन्वेंट की तर्ज पर एक आधुनिक प्ले स्कूल एवं डे-केयर सेंटर स्थापित किया गया है। यहाँ बच्चों को नि:शुल्क अथवा अत्यंत रियायती दरों पर विश्वस्तरीय प्रारंभिक व्यावहारिक व बौद्धिक शिक्षा प्रदान की जाएगी।

महिला योग भवन एवं जुंबा सेंटर (लागत: ?40 लाख): मातृशक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु पृथक से ?40 लाख की लागत से छत्तीसगढ़ का पहला शासकीय सर्वसुविधायुक्त फिटनेस हब तैयार किया गया है।

संचालन मॉडल : परियोजना के दीर्घकालिक, निष्पक्ष और पारदर्शी रख-रखाव के लिए इसे सामाजिक सहभागिता मॉडल पर संचालित किया जा रहा है। टाटीबंध स्थित प्रथम महतारी सदन की सफल प्रशासनिक व्यवस्था की तर्ज पर विप्र नगर संकुल के प्ले स्कूल और योग भवन के सुचारू प्रबंधन की जिम्मेदारी भी प्रतिष्ठित संस्था 'महाराष्ट्र मंडल' को सौंपने की आधिकारिक संस्तुति की जा रही है।बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के नगरीय विकास की दिशा में एक अनुकरणीय मील का पत्थर है। विधायक राजेश मूणत ने कंक्रीट के ढांचे को सामाजिक संवेदनशीलता के साथ जोड़कर एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है। ?1.20 करोड़ की यह संचयी सौगात इस बात को प्रमाणित करती है ।

विश्व रक्तदाता दिवस पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

आरंग (विश्व परिवार)। रविवार को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कंपोजिट हास्पीटल भिलाई में डीआईजी मेडीकल डाक्टर मनोज कुमार सिन्हाके नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सीआरपीएफ कैंप भिलाई के डाक्टरों,अधिकारियों व सैनिकों ने रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर डीआईजी मेडीकल डॉक्टर मनीषा गर्ग ने रक्तदाता दिवस मनाये जाने के बारे में जानकारी दी। और कहा रक्तदान- महादान है। इससे अनेकों जरूरतमंदों की जान बचती है। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा रक्तदान करने से शरीर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। लोगो में रक्तदान को लेकर तरह तरह के भ्रम है।जिसे हमें दूर करने की आवश्यकता है। शिविर में 37 लोगों ने रक्तदान किया ? ।शिविर के आयोजन संयोजन में विशेष सहयोग श्री बालाजी हास्पीटल रायपुर का रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के अधिकारी,कर्मचारी व मेडीकल स्टाफ मौजूद रहे।

उत्तर विधानसभा में विधायक पुरन्दर मिश्रा ने किया विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन

जनआकांक्षाओं को मिल रहा आकार, पुरन्दर मिश्रा ने किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी के सतत प्रयासों एवं जनसेवा के संकल्प के फलस्वरूप राजधानी रायपुर के जोन क्रमांक 4 अंतर्गत पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्रमांक 34 में विभिन्न विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार एवं क्षेत्र का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि उत्तर विधानसभा क्षेत्र को आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिससे आम नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी ने कहा कि विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाना उसका प्रमुख उद्देश्य है। प्रदेश सरकार एवं स्थानीय निकायों के समन्वय से उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है।कार्यक्रम में रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे जी, वार्ड पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष श्री आकाश तिवारी जी, एमआईसी सदस्य श्री संतोष साहू जी, जोन अध्यक्ष श्री मुरली शर्मा जी, छाया पार्षद श्री ज्ञानचंद चौधरी जी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।क्षेत्रवासियों ने विकास कार्यों के लिए विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में उत्तर विधानसभा क्षेत्र निरंतर विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगा।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (लघु तीर्थ) में भक्ति और संकल्प का संगम निर्विरोध नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने ग्रहण किया पदभार

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) मालवीय रोड

में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण समारोह एवं भक्तांबर विधान का भव्य आयोजन अत्यंत भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान की बेदी के समक्ष भव्य भक्तांबर विधान के साथ हुई। सुबह 8 बजे प्रभु श्री जी को पांडुशिला पर विराजमान कर प्रासुक जल से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसके उपरांत आरती एवं मंत्रोच्चार के साथ भक्तांबर विधान संपन्न हुआ, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्ति के रंग में सराबोर हो गया।

इस पावन अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, राजधानी रायपुर के विभिन्न मंदिरों के पदाधिकारीगण, सम्माननीय वरिष्ठ सदस्यगण एवं ट्रस्टीगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह के दौरान नई कार्यकारिणी के सदस्यों ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का श्रीफल, गमछा और तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया।समारोह में बड़ा मंदिर के कार्यवाहक मैनेजिंग ट्रस्टी श्री सनत कुमार जैन एवं ट्रस्टीगण—श्री प्रभात जैन, श्री संजय जैन (सतना) एवं श्री भरत भोरावत जैन—सहित समस्त ट्रस्टीमंडल द्वारा निर्विरोध नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को पदभार सौंपा गया।नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री संजय जैन नायक, सचिव श्री आनंद जैन रानू, कोषाध्यक्ष श्री दिलीप जैन, उपाध्यक्ष श्री नीरज जैन, श्री श्रद्धेय जैन विक्की, श्री बंशीलाल जैन, सह-सचिव श्री शैलेन्द्र जैन एवं सह-सचिव व मीडिया प्रभारी श्री प्रणीत जैन सहित अन्य सभी पदाधिकारियों ने मंदिर के विकास और समाज की एकता के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए :- मंदिर जी के कार्यवाहक मैनेजिंग ट्रस्टी श्री सनत जैन जी ने कहा कि, पद केवल एक जिम्मेदारी है और हमारा मुख्य लक्ष्य मंदिर की व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और सुचारू बनाना है। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के विभिन्न वरिष्ठ प्रमुखों ने भी अपने विचार साझा किए और नई टीम को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के अंत में सभी समाजजनों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस आयोजन में समाज के महिला, पुरुष एवं युवा वर्ग की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।

'स्टार्ट टू स्टडी' कार्यक्रम में करियर मार्गदर्शन और जादू का अद्भुत संगम

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जेसी जेएफएम एचजीएफ अंकित दास मानिकपुरी, सचिव, जेसीआई रायपुर संस्कार ने जानकारी देते हुए बताया कि जेसीआई रायपुर संस्कार द्वारा आयोजित ÷स्टार्ट टू स्टडी÷ कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन विमतारा हॉल, मधु पिल्लई चौक, शांति नगर, रायपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने सहभागिता कर ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक सत्रों का लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. जायेंद्र नारंग, डायरेक्टर, आंजनेय यूनिवर्सिटी, रायपुर रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व, लक्ष्य निर्धारण, सकारात्मक सोच एवं निरंतर परिश्रम के माध्यम से सफलता प्राप्त करने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति को जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि कविता राठी ने कहा कि जेसीआई रायपुर संस्कार सदैव समाज हित एवं छात्र हित के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाती रही है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास विद्यार्थियों एवं समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा समाज के सभी वर्गों को भी इन जनहितकारी कार्यों में हर संभव सहयोग एवं समर्थन प्रदान करना चाहिए।

रामकृष्ण हॉस्पिटल में हो सकेगा पत्रकारों का रियायती दर पर इलाज

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के तत्वावधान में रायपुर प्रेस क्लब के सम्मानित सदस्यों, पत्रकार साथियों एवं उनके परिजनों के लिए आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आभार एवं समापन समारोह आज रविवार को रायपुर प्रेस क्लब, मोती बाग में गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ।

रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल, रायपुर द्वारा आयोजित इस शिविर के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप दवे उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सतीश थोरानी ने की। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के तमाम पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पत्रकारगण मौजूद थे।

शिविर की अवधि 30 जून तक बढ़ी, कूपन धारकों को राहत

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संदीप दवे ने पत्रकारों की सामाजिक सहभागिता और उनके कठिन कार्य परिवेश की सराहना की। उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि पत्रकारों और उनके परिवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर की अवधि को अब 30 जून 2026 तक के लिए बढ़ाया जा रहा है। पूर्व में पत्रकारों को जारी किए गए कूपन के माध्यम से वे इस विस्तारित अवधि तक अपनी निशुल्क जाँचें करवा सकेंगे।

नवीन जलागार निर्माण एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य का शुभारम्भ

रायपुर (विश्व परिवार)। आज राजधानी शहर रायपुर के खम्हारडीह में नगरोत्थान मद अंतर्गत 2092.76 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से 2500 किलोलीटर क्षमता के 25 मीटर स्टेर्जिंग के नवीन जलागार निर्माण एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य का शुभारम्भ कर मुख्यअतिथि के रूप में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव ने वार्ड पार्षद कार्यालय के पास खम्हारडीह रायपुर में नगरवासियों को जलसंकट के स्थायी निदान की अनुपम सौगात दी.शुभारम्भ कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने की और कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, एमआईसी सदस्य श्री महेंद्र खोडियार, श्रीमती संजना संतोष हियाल, श्री अवतार भारती बागल, श्री अमर गिदवानी, जोन 5 जोन अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सिंह ठाकुर, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस वार्ड क्रमांक 31 पार्षद श्रीमती पुष्पा रोहित साहू, शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 पार्षद श्री राजेश गुप्ता, शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड क्रमांक 33 पार्षद श्री प्रदीप कुमार वर्मा सहित रायपुर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार विश्वरंजन, अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान सिंह राठौर, नगर निगम अपर आयुक्त सर्वश्री लोकेश्वर साहू, पंकज के. शर्मा, विनोद पाण्डेय, श्रीमती कृष्णा खटीक, मुख्य अभियंता श्री संजय बागड़े, अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर, जोन 3 नगर निगम जल विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, खम्हारडीह क्षेत्र के रहवासी गणमान्यजनों, वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही .उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव ने कहा कि जनता को जल की उपलब्धता करवाना सरकार का प्राथमिक दायित्व है ।

विकास पिपरौद में गूंजा 'मोदी है तो मुमकिन है' का नारा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने गिनाईं केंद्र सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ

मोदी जी के 12 वर्षों का सेवा युग भारत के लिए स्वर्णिम: सांसद

रायपुर (विश्व परिवार)। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर लोकसभा अंतर्गत अभनपुर विधानसभा के ग्राम पिपरौद में विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत सघन जनसंवाद किया।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय मुलाकात की। कार्यक्रम की शुरुआत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर की गई।

विकास के 12 वर्ष: कांग्रेस के 68 वर्षों पर भारी :- सभा को संबोधित करते हुए श्री बृजमोहन अग्रवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्षों के कार्यकाल पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि, ÷प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपनी कार्यशैली से भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। इन 12 वर्षों में मोदी जी ने जितने जनकल्याणकारी कार्य किए हैं, उतने पिछले 68 वर्षों में नहीं हुए थे।÷ उन्होंने आगे कहा कि आज भारत की पहचान वैश्विक पटल पर सम्मान के साथ ली जाती है, जो कि मोदी जी के नेतृत्व का ही परिणाम है।

सांसद ने जनता के सामने गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियाँ

श्री अग्रवाल ने स्थानीय विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि, ÷अभनपुर से उलाजिन तक की चौड़ी सड़क, प्रधानमंत्री आवास, घर-घर नल-जल योजना, और धान का समर्थन मूल्य, ये सभी मोदी जी की गारंटी के प्रमाण हैं।÷ उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण हो या कश्मीर से अनुच्छेद 370 का खात्मा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रहित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।

जनता की समस्याओं का तत्काल निराकरण: :- संवाद के दौरान सांसद श्री अग्रवाल ने विकास कार्यों की घोषणाएं भी कीं पिपरौद चंडी तालाब का सौंदर्यीकरण और गहरीकरण का कार्य मनरेगा के माध्यम से स्वीकृत।

पिपरौद से सोनेसिल्ली पहुंच मार्ग की मरम्मत बरसात के बाद शुरू होगी। :- सांसद निधि से पिपरौद में विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत।

अन्य विकास कार्य: ग्राम पंचायत दादर धोरी में शेड निर्माण हेतु 10 लाख (मंडी बोर्ड से), पटेवा में रंगमंच के लिए 5 लाख, और कुरा में टीना शेड के लिए 5 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।

अधिकारियों को सख्त निर्देश

कार्यक्रम में सरकारी जमीन को अवैध रूप से बेचने की शिकायत मिलने पर सांसद श्री अग्रवाल ने कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को 7 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

रात्रि भोज और आत्मीय संवाद :- कार्यक्रम के उपरांत श्री अग्रवाल ने स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ गांव में ही रात्रि भोज किया और जनसमस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य की विष्णुदेव साय सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाएँ। इस अवसर पर स्थानीय विधायक श्री इंद्र कुमार साहू, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अशोक बजाज सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354